निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | शुक्रवार 24 जून 2022 | पीडीएफ अंक-65 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –40 | सूर्योदय – 5 : 24
न्यूनतम – 28 | सूर्यास्त – 7 : 22

सोना चांदी

सोना – 52490.00 प्रति 10 ग्र | चांदी – 60500.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स – 52265.72 | निफ्टी – 15556.65
रु/यूएस डॉलर – 78.15 | रु/यूरो – 82.18

न्यूज फ्लैश

एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया को मिला तीन महीने का एक्सटेंशन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया का कार्यकाल आगामी तीन माह के लिए बढ़ा दिया गया है। यह दूसरी बार है जब निदेशक का कार्यकाल बढ़ा है। इससे पहले मार्च में गुलेरिया का कार्यकाल बढ़ाया गया था। अब वह सितंबर तक निदेशक के रूप में कार्यरत रहेंगे। इस संबंध में गुरुवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से अधिसूचना जारी की गई है। एम्स के मुताबिक डॉ. रणदीप गुलेरिया को 28 मार्च, 2017 में निदेशक के रूप में पांच साल के लिए नियुक्त किया गया था। गुलेरिया का कार्यकाल मार्च 2022 में खत्म हो रहा था। ऐसे में एम्स ने नए निदेशक के लिए दौड़ भी शुरू हो गई थी। इसके लिए एम्स के चयन समिति ने तीन नाम पर मुहर लगाकर केंद्र की नियुक्ति कमेटी को मंजूरी के लिए नाम भेजे थे। यहां से मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय में सूची भेजी गई थी। सूची में एंडोक्रोनोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. निखिल टंडन, एम्स ट्रामा सेंटर के प्रमुख डॉ राजेश मल्होत्रा व गेस्ट्रो एंट्रोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. प्रमोद गर्ग का नाम शामिल था।

पीलीभीत हादसे के पीड़ितों को प्रधानमंत्री राहत कोष से दिया जाएगा मुआवजा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में हुए सड़क हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो लाख रुपये और घायल हुए प्रत्येक व्यक्ति को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान करने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री ने पीलीभीत में हुए हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के लिए पीएमएनआरएफ से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि को मंजूरी दी है। घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुर्घटना में लोगों की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट संदेश में कहा, उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में हुई सड़क दुर्घटना हृदयविदारक है। इसमें जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मैं अपनी शोक-संवेदना व्यक्त करता हूं। साथ ही सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उल्लेखनीय है कि हादसे में एक ही परिवार के नौ सदस्यों सहित 10 लोगों की मौत हो गई। परिवार हरिद्वार में गंगा स्नान के बाद घर लौट रहा था।

शक्ति परीक्षण से ही यह तय होगा कि किसके पास बहुमत है : शरद पवार

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासी संकट के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने शक्ति परीक्षण का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा है कि शक्ति परीक्षण से ही यह तय होगा कि किसके पास बहुमत है। पवार ने कहा कि फिलहाल के जो परिस्थिति है शिवसेना उसको लोगों को स्पष्ट कर देगी। विधानसभा में जब फ्लोर टेस्ट होगा तब पता चल जाएगा। जो परिस्थिति निर्मित हुई हैं उन पर हम जीत हासिल करेंगे। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में यह सरकार चलती रहेगी यह पूरे देश को मालूम पड़ जाएगा। राज्य में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास आगाडी सरकार, शिवसेना के बागी एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले गुट की 'कठिन चुनौती' का सामना कर रही है। राज्य के सियासी संकट को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से बुलाई गई बैठक में सीएम उद्धव ठाकरे के प्रति पूरा समर्थन जताया गया। एनसीपी नेता और डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा, " महाराष्ट्र मे जो कुछ राजनीतिक परिस्थिति निर्माण हुई है उसमें हम उद्धव ठाकरे के साथ पूरी तरह से खड़े हैं।" उधर, कांग्रेस ने भी कहा है कि उनकी पार्टी महाविकास आघाडी के साथ खड़ी रहेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा है, 'मेरी पार्टी महाविकास आघाडी के साथ खड़ी रहेगी। हम मिलकर काम करना चाहते हैं।

कोरोना के बढ़ते मामलों पर राज्यों को निगरानी बढ़ाने और जीनोम सीक्वेंसिंग करने के निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने देश में कोरोना के बढ़ते मामले पर चिंता जाहिर करते हुए राज्यों को निगरानी बढ़ाने और जीनोम सीक्वेंसिंग करने के निर्देश दिए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने गुरुवार को कोरोना की स्थिति की समीक्षा के लिए बुलाई गई एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने उच्च मामले वाले जिलों पर ध्यान केंद्रित करने और संक्रमण को नियंत्रण करने के लिए पर्याप्त परीक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. मंडाविया ने अधिकारियों को कोरोना वेरिएंट में बदलाव के मद्देनजर निगरानी और संपूर्ण जीनोम सीक्वेंसिंग पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कोरोना मरीजों के अस्पताल में भर्ती होने की निगरानी के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने उच्च मामलों की रिपोर्ट करने वाले जिलों में बूस्टर खुराक सहित टीकाकरण की गति बढ़ाने को कहा।

ब्रिक्स सम्मेलन : आपसी सहयोग वैश्विक पोस्ट-कोविड रिकवरी में होगा उपयोगी : मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) समूह के सदस्य देशों ने पिछले कुछ वर्षों में संरचनात्मक परिवर्तन करने में कामयाबी हासिल की है जिससे संस्था का प्रभाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में सदस्य देशों के बीच सहयोग से हमारे नागरिकों को फायदा हुआ है। वर्चुअल माध्यम से आयोजित 14वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में पीएम मोदी ने कहा कि आज लगातार तीसरे वर्ष हम कोविड महामारी की चुनौतियों के बीच वर्चुअल रूप में मिल रहे हैं। हालांकि वैश्विक स्तर पर महामारी का प्रकोप पहले की तुलना में कम हुआ है, लेकिन इसके अनेक दुष्प्रभाव अभी भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा, "ब्रिक्स सदस्यों का वैश्विक अर्थव्यवस्था के शासन के संबंध में एक समान दृष्टिकोण है। हमारा आपसी सहयोग वैश्विक पोस्ट-कोविड रिकवरी में उपयोगी योगदान दे सकता है।" उन्होंने कहा, "विश्वास है कि आज हमारे विचार-विमर्श हमारे संबंधों को और मजबूत करने के लिए सुझाव देंगे।" प्रधानमंत्री ने कहा, "ऐसे कई क्षेत्र हैं जहां ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग के माध्यम से नागरिकों को लाभ हुआ है। ब्रिक्स यूथ समिट्स, ब्रिक्स स्पोर्ट्स, सिविल सोसाइटी संगठनों और थिंक-टैंक्स के बीच संपर्क बढ़ाकर, हमने अपने लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि हमने पिछले कुछ वर्षों में ब्रिक्स में संरचनात्मक परिवर्तन किए हैं जिससे इस संस्था का प्रभाव बढ़ा है। खुशी की बात है कि ब्रिक्स के न्यू डेवलपमेंट बैंक की सदस्यता बढ़ी है। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये आयोजित दो दिवसीय शिखर वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी, रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सनारो ने भाग लिया।

खेती में कीटनाशकों के प्रयोग को कम करने के लिए सरकार के साथ आएं निजी क्षेत्र : तोमर

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि खेती में फर्टिलाइजर और कीटनाशकों के प्रयोग को कम करने के लिए सरकार अपने स्तर पर प्रयासरत है। ऐसे में निजी क्षेत्र को भी सरकार से साथ आना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने व प्रोत्साहित करने के लिए केन्द्र सरकार की ओर से कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। तोमर ने गुरुवार को भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की ओर से आयोजित 11वें एग्रोकेमिकल्स कॉन्क्लेव को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान है और देश की अर्थव्यवस्था में कृषि का बहुत बड़ा योगदान है। ऐसे में कृषि क्षेत्र में किसानों की आय बढ़े इस विषय पर हमें और अधिक काम करने की जरूरत है। तोमर ने कहा कि आज उद्यानिकी को भी और बढ़ाना चाहिए ताकि हर दृष्टि से हम आत्मनिर्भर बन सकें। खाद्यान की दृष्टि से हमारा देश बहुत अच्छी स्थिति में है। वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए हमें कृषि की दृष्टि से विकसित अन्य देशों की ओर भी देखना होगा व उनके साथ आगे बढ़कर चलना है।

महाराष्ट्र के विधायकों को असम के बजाय बंगाल भेजिए हम उनकी अच्छी आवभगत करेंगे: ममता

मुम्बई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक उठा-पटक पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी ने बीजेपी पर निशाना साधा है। ममता बनर्जी ने बीजेपी से कहा है कि महाराष्ट्र के बागी विधायकों को असम के बजाय बंगाल भेज दीजिए हम उनकी अच्छी से आवाभगत करेंगे। बनर्जी ने कहा कि बीजेपी अनैतिक तरीके से महाराष्ट्र की सरकार गिराने का प्रयास कर रही है। महाराष्ट्र के बागी विधायकों को गुवाहाटी में ठहरने पर ममता बनर्जी ने कहा कि असम में बाढ़ की विभीषिका के बीच प्रभावित लोगों को परेशान करने के लिए महाराष्ट्र के विधायक वहां क्यों भेजे जा रहे हैं। ममता बनर्जी ने अपने बयान में कहा, 'महाराष्ट्र के विधायकों को असम के बजाय बंगाल भेजिए, हम उनकी अच्छी आवभगत करेंगे। महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार में जारी राजनीतिक संकट के बीच शिवसेना के तीन और विधायक गुरुवार को कैबिनेट मंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले बागी खेमे में शामिल होने के लिए असम की राजधानी गुवाहाटी के लिए रवाना हो गए। तीन विधायकों में सावंतवाड़ी से विधायक दीपक केसरकर, चेंबूर से विधायक मंगेश कुडलकर और दादर से विधायक सदा सर्वंकर शामिल हैं। शिंदे ने दोहराया कि एमवीए गठबंधन में राकांपा और कांग्रेस मजबूत हो रहे हैं, लेकिन मुख्य पार्टी शिवसेना और उसके कार्यकर्ता लगातार कमजोर होते जा रहे हैं।

उप्र में बुलडोजर एक्शन पर आज सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट उत्तर प्रदेश में बुलडोजर एक्शन पर 24 जून को सुनवाई करेगा। जमीयत-उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर जस्टिस सीटी रवि कुमार और जस्टिस सुधांशु धूलिया की वेकेशन बेंच सुनवाई करेगी। इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार ने हलफनामा दाखिल कर जमीयत पर मामले को गलत रंग देने का आरोप लगाया है। सरकार का कहना है कि जिन लोगों पर बुलडोजर एक्शन हुआ है, उनके निर्माण तोड़ने का आदेश कई महीने पहले जारी हुआ था। अवैध निर्माण खुद हटा लेने के लिए काफी समय दिया गया था। बुलडोजर की कार्रवाई से दंगे का कोई संबंध नहीं है, उसका मुकदमा अलग है। कोर्ट ने 16 जून को यूपी सरकार को नोटिस जारी करके जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि अवैध निर्माण हटाने में पूरी प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए।

सुनवाई के दौरान जमीयत उलेमा हिंद की ओर से वकील सीयू सिंह ने कहा था कि दिल्ली के जहांगीरपुरी में बुलडोजर की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। इस मामले में यूपी सरकार को नोटिस दिया गया था लेकिन यूपी में अंतरिम आदेश के अभाव में तोड़फोड़ की गई। सीयू सिंह ने कहा था कि दुर्भावना से जिनका नाम एफआईआर में दर्ज है, उनकी संपत्तियों को चुन-चुनकर ध्वस्त किया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम की धारा 27 में देश भर में शहरी नियोजन अधिनियमों के अनुरूप नोटिस देने का प्रावधान है। अवैध निर्माण को हटाने के लिए कम से कम 15 दिन का समय देना होगा, 40 दिन तक अवैध निर्माण नहीं हटने पर ही उसे ध्वस्त किया जा सकता है। पीड़ित नगरपालिका के अध्यक्ष के समक्ष अपील कर सकते हैं, इसके अलावा और भी संवैधानिक उपाय हैं। यूपी सरकार के वकील हरीश साल्वे ने कहा कि प्रयागराज और कानपुर में अवैध निर्माण गिराने के पहले सभी प्रक्रिया का पालन किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि हमने जहांगीरपुरी में पहले के आदेश के बाद हलफनामा दायर किया है। किसी भी प्रभावित पक्ष ने याचिका दायर नहीं की है। याचिका दायर करने वाला जमीयत उलेमा ए हिंद प्रभावित पक्ष नहीं है।

रक्षा मंत्री से मिले मुख्यमंत्री धामी, पूर्व सैनिकों के सुझाव को सौंपा

–सैनिक स्कूल के लिए वित्तीय सहायता का किया अनुरोध

नई दिल्ली/देहरादून,। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने अग्निपथ योजना के लिए पूर्व सैनिकों के साथ हुए संवाद और सुझावों को सौंपा। इसके साथ ही सैनिक स्कूल के अवस्थापना के लिए वित्तीय सहायता की मांग की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट के बाद केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को बताया, "अग्निपथ योजना के संबंध में प्रदेश के सभी जिलों के पूर्व सैन्य अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया"। "संवाद कार्यक्रम के दौरान समस्त पूर्व सैन्य अधिकारियों की ओर से भारत सरकार की अग्निपथ योजना को वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में सैन्य आधुनिकीकरण, देश की सुरक्षा एवं युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के अनुकूल बताया गया। साथ ही संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सभी पूर्व सैन्य अधिकारियों की ओर से 'अग्निपथ योजना' के संबंध में अपने-अपने सुझाव विचार भी व्यक्त किए गए थे। मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पूर्व सैन्य अधिकारियों की ओर से आए सुझाव और विचार भी सौंपे"। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में एक अतिरिक्त सैनिक स्कूल जखोली जनपद रुद्रप्रयाग में खोले जाने की स्वीकृति दी गई है। सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए उत्तराखंड की ओर से अवस्थापना संबंधी सुविधाएं उपलब्ध करानी थी। सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए केंद्रीय रक्षा मंत्री से राज्य में सीमित संसाधन देखते हुए भारत सरकार से अव स्थापना विकास के लिए वित्तीय सहायता के लिए अनुरोध किया।

'अग्निपथ' योजना बनाने के लिए कुल 254 बैठकों में 750 घंटे तक किया गया मंथन

नई दिल्ली। इस समय देश की सबसे चर्चित 'अग्निपथ' योजना तीन दशक बनी योजना का बदला रूप है। इसे सेना के भीतर सैनिकों की औसत आयु कम करने के लिए बनाया गया था। इसके बाद बने सेना के पायलट प्रोजेक्ट 'टूर ऑफ ड्यूटी' के तहत 254 बैठकों में 750 घंटे तक मंथन करके इसे नया कलेवर दिया गया है। भारतीय रक्षा प्रतिष्ठान को देश की सैन्य भर्ती नीति 'अग्निपथ' लागू करने में तीन दशक लगे। दरअसल, 1989 में पहली बार भारतीय सैनिकों की बढ़ती उम्र को देखते हुए सेना में औसत आयु कम करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। असली समस्या 1963-67 के बीच हुई सैनिकों की भर्ती बनी, क्योंकि सरकार ने 1965 से पहले जवानों के सेवानिवृत्त होने की उम्र सात साल से बढ़ाकर 17 साल कर दी थी। इस वजह से न केवल सेना में वृद्ध जवानों का अनुपात बढ़ा, बल्कि हर साल सेवानिवृत्त होने वाले सैनिकों की संख्या भी बढ़ी। खासकर 80 के दशक में तेजी से सेवानिवृत्ति बढ़ने से सरकार पर पेंशन का बोझ भी बढ़ा। इस पर सरकार ने सैनिकों की वृद्धावस्था प्रोफाइल का मुद्दा ध्यान में रखकर गंभीरता से विचार करना शुरू किया। सरकार का मानना था कि अगर यह व्यवस्था ठीक न की गई तो भारतीय सेना लगातार बूढ़ी होती जाएगी। तब सेना के अधिकारियों ने पहली बार 1985 में सरकार के सामने एक प्रस्ताव रखा, जिस पर गंभीरता से विचार करना शुरू किया। सेना के इस प्रस्ताव में कहा गया कि सेना की लड़ाकू इकाइयों में भर्ती होने वाले लोग आमतौर पर 25 साल की उम्र तक यानी सात साल तक काम करेंगे।

संजय राऊत के बयान से शिंदे खेमा नाराज

– सांसद की भाषा पर विधायकों को एतराज

गुवाहाटी/मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राऊत ने आज बागी विधायकों के सम्पर्क में होने का दावा करके एकनाथ शिंदे खेमे को और नाराज कर दिया। मुंबई में आज संजय राऊत ने कहा, 'यदि असम में डेरा डाले हुए बागी विधायक 24 घंटे में मुंबई लौटते हैं तो शिवसेना महाविकास आघाड़ी सरकार छोड़ने के लिए तैयार है। विधायकों को गुवाहाटी से संवाद नहीं करना चाहिए, वे वापस मुंबई आएं और मुख्यमंत्री से इस पर चर्चा करें। हम सभी विधायकों की इच्छा होने पर महाविकास अघाड़ी से बाहर निकलने पर विचार करने के लिए तैयार हैं। हालांकि इसके लिए उन्हें यहां आना होगा और मुख्यमंत्री से इस पर चर्चा करनी होगी।' संजय राऊत ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे बहुत जल्द वर्षा बंगले में वापस आएंगे। राऊत ने दावा किया कि गुवाहाटी में 21 विधायकों ने हमसे संपर्क किया है और जब वे मुंबई लौटेंगे तो वे हमारे साथ आएंगे। राऊत के इस बयान पर गुवाहाटी के होटल में ठहरे बागी विधायक आग-बबूला हो गए। वो संजय राऊत के बड़बोलेपन और हर बात में की जा रही इस तरह की दखलअंदाजी पर खासे नाराज नजर आए। सूत्रों के मुताबिक राऊत के बयान के बाद एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में फिर एक बार बागी विधायकों ने बैठक की। इस बैठक में शिवसेना के 36 विधायक शामिल हुए। इनमें एकनाथ शिंदे, अनिल बाबर, शंभूराजे देसाई, महेश शिंदे, शहाजी पाटील, महेंद्र थोरवे, भरतशेठ गोगावले, महेंद्र दलवी, प्रकाश अबिटकर, डॉ. बालाजी किणीकर, ज्ञानराज चौगुले, प्रा. रमेश बोरनारे, तानाजी सावंत, संदीपान भुमरे, अब्दुल सत्तार नबी, प्रकाश सुर्वे, बालाजी कल्याणकर, संजय शिरसाट, प्रदीप जयसवाल, संजय रायमुलकर, संजय गायकवाड, विश्वनाथ भोईर, शांताराम मोरे, श्रीनिवास वनगा, किशोरअप्पा पाटील, सुहास कांदे, चिमणआबा पाटील, लता सोनावणे, प्रताप सरनाईक, यामिनी जाधव, योगेश कदम, गुलाबराव पाटील, मंगेश कुडालकर, सदा सरवणकर, दीपक केसरकर और दादा भुसे थे। इसके अलावा बैठक में निर्दलीय 9 विधायकों ने भी हिस्सा लिया। इनमें बच्चू कडू, राजकुमार पटेल, राजेंद्र यड्रावकर, चंद्रकांत पाटील, नरेंद्र भोंडेकर, किशोर जोरगेवार, मंजुला गावित, विनोद अग्रवाल और गीता जैन थे। बैठक में राऊत को लेकर खासी नाराजगी नजर आई। जल्द ही बागी खेमा अपना अगला कदम स्पष्ट करने वाला है।

महाराष्ट्र के विधायकों के ठहरने वाले होटल के सामने टीएमसी का प्रदर्शन, बोरा सहित कई हिरासत में

गुवाहाटी। असम प्रदेश भाजपानीत गठबंधन सरकार की ओर से महाराष्ट्र के कथित बागी विधायकों के लिए वीवीआई व्यवस्था किये जाने का आरोप लगाते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने स्थानीय होटल रेडिसन ब्लू के सामने प्रदर्शन किया। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने प्रदेश टीएमसी अध्यक्ष सहित सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। गुरुवार को असम प्रदेश टीएमसी के अध्यक्ष रिपुन बोरा के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस कार्यकताओं ने गुवाहटी के होटल रेडिसन ब्लू के सामने प्रदर्शन किया। टीएमसी ने महाराष्ट्र के 48 विधायकों को बुधवार से गुवाहाटी के लक्जरी होटलों में रखे जाने पर स्थानीय भाजपा गठबंधन वाली सरकार के प्रति विरोध जताया। विरोध के चलते होटल के सामने उत्तेजना का माहौल उत्पन्न हो गया। इस मौके पर असम प्रदेश टीएमसी के अध्यक्ष बोरा ने आरोप लगाया कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था पूरी तरह से नष्ट हो गई है। उन्होंने इसके लिए केंद्र और राज्य भाजपानीत सरकार की जमकर आलोचना की।बोरा ने कहा कि वर्तमान में पूरा राज्य बाढ़ से जूझ रहा है। लोगों के पास खाने के लिए कुछ भी नहीं है और लाग आश्रय शिविर में लोग रहने को मजबूर हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करने के बदले एक राज्य की गणतांत्रिक सरकार को गिराने के लिए विधायकों की खरीद-फरोख्त में जुटे हुए हैं। विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच काफी नोकझोंक

DELHI CRIME 24 june 2022:Layout 1 6/23/2022 9:14 PM Page 2

सम्पादकीय

'बाड़ाबंदी पर्यटन' के लिए उदयपुर

चहुंओर अरावली की उपत्यकाओं से घिरे, वन सम्पदा से आच्छादित झीलों की खूबसूरती से लबरेज उदयपुर अब तक प्रकृति पर्यटन, एडवेंचर पर्यटन, विरासत पर्यटन, लोक-संस्कृति पर्यटन, चिकित्सकीय पर्यटन, कार्यशाला पर्यटन आदि कई तरह के पर्यटन का केंद्र बन चुका है और एक निजी सर्वे में अंतराष्ट्रीय स्तर पर विवाह स्थल (वेडिंग डेस्टिनेशन) के रूप में दुनिया के 11 देशों में भारत के सिर्फ उदयपुर को पसंद किया गया है। इन सभी के बीच हाल ही उदयपुर की शान में एक नई इबारत और जुड़ गई है। छोटा कश्मीर के नाम से विख्यात राजस्थान का झीलों का शहर उदयपुर अब सियासी बाड़ाबंदी के लिए भी मुफीद लगने लगा है। राज्यसभा चुनाव में राजस्थान कांग्रेस की सफल बाड़ाबंदी के बाद हाल ही महाराष्ट्र में उत्पन्न हुई राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर उदयपुर के पर्यटन उद्योग जगत को फिर मौका मिल सकता है। और आने वाले राष्ट्रपति चुनाव को लेकर भी उदयपुर उम्मीद तो लगा ही सकता है। जी हां, कांग्रेस के नव संकल्प चिंतन शिविर के तुरंत बाद ही उदयपुर के राज्यसभा चुनाव के लिए बाड़ा बनाए जाने से उदयपुर ने बाड़ाबंदी पर्यटन के भी नए द्वार खोल दिए हैं। इसके पीछे राजनीतिक कारण तो अपनी जगह हो सकते हैं, लेकिन तकनीकी कारण भी महत्वपूर्ण हैं जिन्हें आज के समय के लिए जरूरी सामरिक कारण भी कहा जा सकता है। उदयपुर में ऐसी कई विशेषताएं हैं जो इसे बाड़ाबंदी पर्यटन के लिए मुफीद बनाती हैं। अब उदयपुर के पर्वतीय क्षेत्रों को ही ले लीजिये। आप पहाड़ों के किनारे सड़क पर चल रहे हैं, लेकिन आपको भनक भी नहीं लग सकेगी कि उसी पहाड़ी के पार्श्व में एक खूबसूरत रिसॉर्ट आपका स्वागत करने को आतुर है। सड़क से आगे जाकर एक सामान्य सा मार्ग आपको लेना पड़ेगा जो सामान्य तौर पर एकदम से नजर नहीं आएगा और उस मार्ग पर काफी आगे चलने के बाद आपको जंगल में मंगल की नई दुनिया के दर्शन होंगे। और यह सिर्फ एक रिसॉर्ट की ही बात नहीं है, अपितु उदयपुर शहर के समीपवर्ती से लेकर उदयपुर जिले के पड़ोसी राजसमंद जिले तक की पहाड़ियों के बीच में ऐसे कई रिसॉर्ट मिल जाएंगे तो इसी तरह उदयपुर शहर से झाड़ोल, अहमदाबाद आदि मार्गों पर भी पहाड़ियों की ओट में ऐसे कई आसानी से नजर नहीं आने वाले रिसॉर्ट डेवलप हो चुके हैं। अब आप पूछेंगे कि सामरिक दृष्टि के क्या मायने हैं तो जनाब जब बाड़ाबंदी पर्यटन होता है तब वहां बिना पहचान वाला परिंदा भी पर नहीं मारे, ऐसी व्यवस्था जरूरी होती है और खासतौर से वे परिंदे जो संदेशों को दूर तक पहुंचाते हैं, जी हां आप सही समझे, यहां मीडिया की ही बात हो रही है। मीडिया दूर ही रहे, यह प्रयास पुरजोर किए जाते हैं, हालांकि इसके बावजूद मीडिया अपना कर्तव्य बखूबी निभाता रहा है। बाड़ाबंदी पर्यटन करने वालों को दूसरे तरह के परिंदे यानी छुटभैया नेताओं की चिंता नहीं होती क्योंकि वे तो इसी डर से अनुशासन में रहते हैं कि कहीं संदेह के घेरे में आ गए तो आगे का राजनीतिक भविष्य दांव पर लग जाएगा। अब इस प्रयास के लिए पहला विकल्प यही माना जा सकता है कि जगह ऐसी ढूंढी जाए कि मुख्य द्वार से कुछ दिखाई न दे। तो जनाब जब सामान्य तौर पर मुख्य सड़क से ही रिसॉर्ट नजर नहीं आता और रिसॉर्ट में प्रवेश के बाद भी कई मीटर अंदर जाकर रिसॉर्ट का आभास होता है, ऐसे स्थल उदयपुर में अब बहुत हैं, हां बाड़ाबंदी पर्यटन के स्तर के हिसाब से आवासीय क्षमता वाला रिसॉर्ट भी जरूरी है। लेकिन, आवासीय क्षमता का बिंदु भी अब इसलिए चिंता का विषय नहीं है क्योंकि वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विश्व विख्यात होने में यह क्षमता भी शामिल ही है। हमारे यहां वेडिंग डेस्टिनेशन हो तो बाराती और घराती को मिलाकर नहीं-नहीं करके भी 100 न्योते तो सपरिवार वाले हो ही जाते हैं। ऐसे में उदयपुर में पिछले सालों में डेवलप हुए रिसॉर्ट्स में इस दृष्टिकोण को भी ध्यान में रखा गया और आवासीय क्षमता पर्याप्त रखी गई है। उदयपुर में राज्यसभा चुनाव को लेकर हुए बाड़ाबंदी पर्यटन में भी अच्छी-खासी संख्या एक ही रिसॉर्ट में खप गई और बाहर उतनी ही सूचना आई जितनी बाड़ाबंदी करने वाले बाहर भेजना चाहते थे। हां, एयरपोर्ट से लेकर ह्यबाड़ाबंदी स्थलह्न के मुख्य द्वार तक मुस्तैद मीडिया को यह जानने में कोई परेशानी नहीं हुई कि कौन आया और कौन गया, लेकिन अंदर क्या चल रहा है, उसके लिए अंदर से आ रही सूचना से ही संतोष करना पड़ा।

संयम और अध्यात्म का संदेश देता चौमासा

लेखक- राकेश कुमार वर्मा /ईएमएस

भास्कर प्रधान इस उपमहाद्वीप की ऋतुओं ने विभिन्न संस्कृतियों को समृद्ध किया है। ऋतुचक्रों का समष्टि पर पड़ने वाले प्रभाव विविध संप्रदायों से उत्पन्न उत्सवों की स्वीकारोक्ति है। सूर्य जब चन्द्र के रोहिणी नक्षत्र में गमन करता है तब 9 दिन भीषण गर्मी पड़ती है। यह वह कालखण्ड है जब वसुधा सृजन के लिए गर्भवती की भांति भ्रूण को कलात्मक आकृति देने के लिए मंथर लय का अनुशीलन करती है। मृगशिरा की वृष्टि से उल्लासित प्रसववेदना धन-धान्य की अभिवृद्धि और अंतर्मन में अंकुरित अध्यात्म के आत्मवैभव की अनुभूति से आवृत होती है। तुलसीदास कहते हैं कि ससि संपन्न सोह महि कैसी। उपकारी कै संपति जैसी॥ अर्थात उपकारी की संपत्ति उसी प्रकार आनंदित कर रही है जैसे वनस्पतियों से युक्त पृथ्वी। जैन परंपरा में अषाढ़ी पूर्णिमा से शुरू होकर कार्तिक पूर्णिमा तक चलने वाला मुनियों का स्थिर चातुर्मास सुखी, शांत और पवित्र जीवनकला का प्रशिक्षण देता है। यह ऋतु ज्ञान, ध्यान, और स्वाध्याय योग में आत्मा को अवस्थित होने का दुर्लभ अवसर है। वर्षा से जलमग्न धरती हमे नये मार्गों की ओर प्रेरित करती है, जिससे नये सरोकारों का अभ्युदय होता है।

बरषहिं जलद भूमि निअराएँ। जथा नवहिं बुध बिद्या पाएँ।
बूँद अघात सहहिं गिरि कैसे। खल के बचन संत सह जैसें॥

-जैसे विद्या पाकर विद्वान नम्र हो जाते हैं उसी प्रकार बादल पृथ्वी के समीप बरस रहे हैं। बूँदों की चोट पर्वत इस प्रकार सहन कर रहे हैं, जैसे संत दुष्टों के अत्याचार सहते हैं।

बरषा रितु रघुपति भगति, तुलसी सालि सुदास। रामनाम बर बरन जुग, सावन भादव मास॥

रघुनाथ जी की भक्ति वर्षाऋतु है, उत्तम सेवकगण (प्रेमी भक्त) धान हैं औरराम नाम के दो सुंदर अक्षर सावनभादों के महीने हैं (अर्थात जैसे वर्षाऋतु के श्रावण, भाद्रपद- इन दो महीनो में धान लहलहा उठता है, वैसे ही भक्ति पूर्वक श्री राम नाम का जप करने से भक्तों को अत्यंत सुख मिलता है। हालांकि संस्कृति के बाजारीकरण से हुए यंत्रीकरण में इसकी प्रासंगिता समाप्त हो गई है जो संवेदनशील विचारों से मुक्त जीवनशैली की ओर प्रेरित करती है। विज्ञान, सूचना और प्रौद्योगिकी के विकास से प्रभावित हमारे नैतिक मूल्यों से प्रकति के उपहारजनित धरोहर यथा वनस्पति, जलवायु सहित चराचर जगत को अनुभव करने की दृष्टि बदल दी है। जहॉ ये तत्व कभी हमारी ईश्वरीय सत्ता के प्रतीक थे शोषणात्मक वृत्ति का स्त्रोत बन गये हैं। इनसे सरोकार रखने रखने वाले को हेय दृष्टि से देखा जाता है। इसका एक कटु पहलू यह है कि पारंपरिक जीवन में जटिलता के साथ प्राप्त संसाधनों के प्रति जहॉ सम्मान और मूल्य की भावना निहित थी अब शासकीय नियंत्रण में भुगतान के साथ ही वह नैतिक मानदण्ड खंडित हो गया। सरकार के लिए तो यह आय का एक अच्छा स्त्रोत बन गया लेकिन इससे हमारे नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हुए हैं जिनका दुष्परिणाम प्रत्येक धड़कन के साथ चुकाने को विवश हैं। ऋतुयें हमारे आहार-विहार को प्रभावित करती है। किसी ऋतु में कोई दोष बढ़ता है तो कोई शांत होता है। ऋषियों विद्वानों ने इन ऋतुओं में होने वाले प्रकोप, दोषवृद्धि का अध्ययन कर तदानुसार आचरण कर स्वस्थ्य रहने के नियम बताये। जैसे संक्रांति पर सूर्य के दक्षिणायन में अयन शब्द का अर्थ गति है अर्थात जब सूर्य की गति दक्षिण की ओर होती है तो उसकी किरणों के मंद और सौम्य होने से वातावरण में रस(जलीय तत्व) में वृद्धि होती है, इसे विसर्ग काल कहते हैं। सौम्य अवस्था में होने के कारण सूर्य और चन्द्र वातावरण में रसा का संचार करते हैं, जिसमें हवायें आदान काल की तरह शुष्क, गर्म और रूखी नहीं होतीं। वातावरण में चंद्रमा के सौम्य गुणों की प्रधानता होती है और ताप कम होता है। हवाओं, बादलों और वर्षा में ठण्डक रहती है। वातावरण में शीतलता के कारण औषध्यिों और खाद्य पदार्थों में स्निग्धता आ जाती है, इससे प्राणियों की शारीरिक शक्ति में वृद्धि होती है। चैत्र से भाद्र पक्ष में हुए उत्तरायण में सूर्य प्रचण्ड सूर्यरस (जलीय तत्व) का आदान (ग्रहण) करता है। सूर्य की किरणें प्रखर और हवाएं तीव्र, गर्म और रुक्ष होती हैं, जो पृथ्वी के जलीय अंश को सोख लेती हैं। इसका प्रभाव औषधियों के साथ जीवों की काया पर पड़ता है जिससे शक्ति क्षीण होने लगती है और हम दुर्बलता का अनुभव करते हैं। इस अवधि में शिशिर, बसंत और ग्रीष्म ऋतुएं होती हैं। विसर्ग और आदान काल के असर से आदान काल के अंत और विसर्ग के शुरू में दुर्बलता अधिक रहती है। इन दोनो कालों के बीच के समय में मनुष्यों में बल भी मध्यम स्थिति में रहता है। विसर्ग काल के अंत एवं आदान काल के आरंभ में शरीर में बल की प्राप्ति अधिक होती है। अन तथ्यों के आधार पर ही आयुर्वेद ने ऋतुओं के अनुसार खान-पान की विविधता का वर्णन किया है। शिशिर ऋतु स्वास्थ्य के लिए उत्तम मानी गई है। इस समय शरीर अधिक बलयुक्त होता है । दिन छोटे तथा रातें लंबी होने के कारण शरीर को आराम करने के साथ भोजन के पाचन के लिए अधिक अनुकूलता मिलती है। इन दोनो कारणों से सर्दी में अधिक पुष्टि मिलती है तथा भूख भी अधिक लगती है। हेमत और शिशिर ऋतु में मौसम प्रायः एक समान होता है। हेमंत ऋतु में सूर्य दक्षिणायन होता है अतः औषधियों एवं आहार-द्रव्यों में स्निग्धता, मधुरता और पौष्टिकता होती है। इस ऋतु में शीर में दोषों का संचय अल्प मात्रा में होता है परंतु शिशिर ऋतु में सूर्य के उत्तरायण होने से आदान काल के कारण वातावरण में रुक्षता और शीतलता होती है। वनस्पतियों में भी शीतलता, भारीपन और मधुरता होने से शीर में कफ का संचय होता है अतः शिशिर ऋतु में भी उपर्यक्त आहार-विहर करते हुए ठंड से बचास रखना चाहिये, शीतल हल्के और रुक्ष पदार्थें का सेवन एवं उपवास नहीं करना चाहिये। जबकि वषार्काल में जठराग्नि (पाचन शक्ति) कमजोर और मंद हो जाती है इसलिए वात पित्त व कफ रोग बढ़ जाते है। वर्षा ऋतु में अनेक जीवों सहित विषाक्त कीटाणु उत्पन्न होते हैं जो बीमारियां फैलाते है। ऋतु आहार के बारे में कवि घाघ कहते हैं :-

सावन हरैं भादों चीत। क्वार मास गुड़ खायउ मीत।।
कार्तिक मूली अगहन तेल। पूस में करै दूध से मेल।।
माघ मास घिउ खींचरी खाय। फागुन उठि के प्रात नहाय।।
चैत मास में नीम बेसहनी। बैसाके में खाय जड़हनी।।
जेठ मास जो दिन में सोवै। ओकर जर असाढ़ में रोवै।।

अर्थात सावन मास में हरड, भादों मास में चिरायता, क्वार मास में गुड़ कार्तिक में मूली, अगहन में तेल, पौष मास में दूध, माघ मास में घी और खिचड़ी, फागुन मास में प्रातः स्नान, चैत मास में नीम का सेवन, वैशाख मास में जड़हन (अगहन में पकने वाला धान) का भात खाना चाहिए जेठ मास में दिन में सोने वाले व्यक्ति को आषाढ़ में ज्वर नहीं होता और वह स्वस्थ रहता है। इसके साथ उबले जल सहित सेब, अनार, नासपाती जैसे मौसमी फल टमाटर सूप, अदरक, प्याज, लहसन, बेसन, हल्दी वाला दूध, देसी चाय पुराना चावल, गेहूं, मक्का, मुंग, अरहर की दाल खा सकते हैं। जबकि हरी पते वाली सब्जिया रसदार फल बैंगन, चकुंदर, खीरा, ककड़ी फास्ट फूड, मिठाई मास मदिरा, ठंडी-बासी खाद्य, आइस क्रीम कोल्ड ड्रिंक्स से बचना चाहिये क्योंकि इस ऋतु में यह कुपथ्य है।

भुइयाँ खेड़े हर हो चार, घर हो गिहथिन गऊ दुधार।
अरहर दाल, जड़हन का भात, गागल निबुआ औ घिउ तात।।
खाँड दही जो घर में होय, बाँके नयन परोसै जोय,
कहैं घाघ तब सबही झूठ, उहाँ छोड़ि इहँवै बैकूंठ।

अर्थात यदि खेत गाँव के पास हो, चार हल की खेती हो, घर में गृहस्थी में निपुण स्त्री हो, दुधारू गाय हो, अरहर की दाल और जड़हन (अगहन में पकने वाला धान) का भात हो, रसदार नींबू और गर्म घी हो, दही और शक्कर घर में हो और इन सब चीजों को तिरछी दृष्टि से परोसने वाली पत्नी हो, तो घाघ कहते हैं कि पृथ्वी पर ही स्वर्ग है। इस सुख के अतिरिक्त अन्य सारे सुख व्यर्थ हैं।

जाको मारा चाहिए, बिन लाठी बिन घाव।
वाको यही बताइए, घुइयाँ पूरी खाव।।

अर्थात यदि किसी व्यक्ति को लाठी या हथियार के बिना मारना चाहते हैं तो उसे धुइयाँ (अरुई) और पूड़ी खाने की सलाह देना चाहिये क्योंकि, यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक (विषतुल्य) होती हैं।

चैते गुड़ बैसाखे तेल, जेठे पन्थ असाढ़े बेल।
सावन साग न भादों दही, क्वार करेला न कातिक मही।।
अगहन जीरा पूसे धना, माघे मिश्री फागुन चना।
ई बारह जो देय बचाय, वहि घर बैद कबौं न जाय।।

अर्थात यदि व्यक्ति चैत में गुड़, बैसाख में तेल, जेठ में यात्रा, आषाढ़ में बेल, सावन में साग, भादों में दही, क्वाँर में करेला, कार्तिक में मट्ठा अगहन में जीरा, पूस में धनिया, माघ में मिश्री और फागुन में चना, ये वस्तुएँ स्वास्थ्य के लिए कष्टकारक होती हैं। जिस घर में इनसे बचा जाता है, उस घर में लोग स्वस्थ बने रहते हैं। वैसे स्वास्थ्य और पोषण को लेकर बाग्भट्ट, घाघ जैसे विद्वानों सहित हमारे शास्त्रों में आचार-विचार, आहार-विहार को संबंधी विशद व्याख्या है लेकिन व्यस्ततम दिनचर्या के अनुकूल निर्धारित मापदण्ड इसका महत्व खो चुके हैं।

योग का विरोध क्यों?

मालदीव की राजधानी माले में एक अजीब-सा हादसा हुआ। 21 जून को योग-दिवस मनाते हुए लोगों पर हमला हो गया। काफी तोड़-फोड़ हो गई। कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। मालदीव में यह योग-दिवस पहली बार नहीं मनाया गया था। 2015 से वहां बराबर योग-दिवस मनाया जाता है। उसमें विदेशी कूटनीतिज्ञ, स्थानीय नेतागण और जन-सामान्य लोग होते हैं। इन योग-शिविरों में देसी-विदेशी या हिंदू-मुसलमान का कोई भेद-भाव नहीं किया जाता है। इसके दरवाजे सभी के लिए खुले होते हैं। यह योग-दिवस सिर्फ भारत में ही नहीं मनाया जाता है। यह दुनिया के सभी देशों में प्रचलित है, क्योंकि संयुक्तराष्ट्र संघ ने इस योग-दिवस को मान्यता दी है। मालदीव में इसका विरोध कट्टर इस्लामी तत्वों ने किया है। उनका कहना है कि योग इस्लाम-विरोधी है। उनका यह कहना यदि ठीक होता तो संयुक्तराष्ट्र संघ के दर्जनों इस्लामी देशों ने इस पर अपनी मोहर क्यों लगाई है? उन्होंने इसका विरोध क्यों नहीं किया? क्या मालदीव के कुछ उग्रवादी इस्लामी लोग सारी इस्लामी दुनिया का प्रतिनिधित्व करते हैं?

सच्चाई तो यह है कि मालदीव के ये विघ्नसंतोषी लोग इस्लाम को बदनाम करने का काम कर रहे हैं। इस्लाम का योग से क्या विरोध हो सकता है? क्या योग बुतपरस्ती सिखाता है? क्या योगाभ्यास करनेवालों से यह कहा जाता है कि तुम नमाज मत पढ़ा करो या रोजे मत रखा करो? वास्तव में नमाज और रोजे, एक तरह से योगासन के ही सरल रूप हैं। यह ठीक है कि योगासन करनेवालों से यह कहा जाता है कि वे शाकाहारी बनें। शाकाहारी होने का अर्थ हिंदू या काफिर होना नहीं है। कुरान शरीफ की कौनसी आयत कहती है कि जो शाकाहारी होंगे, वे घटिया मुसलमान माने जाएंगे? जो कोई मांसाहार नहीं छोड़ सकता है, उसके लिए भी योगासन के द्वार खुले हुए हैं। योग का ताल्लुक किसी मजहब से नहीं है। यह तो उत्तम प्रकार की मानसिक और शारीरिक जीवन और चिकित्सा पद्धति है, जिसे कोई भी मनुष्य अपना सकता है। क्या मुसलमानों के लिए सिर्फ वही यूनानी चिकित्सा काफी है, जो डेढ़-दो हजार साल पहले अरब देशों में चलती थी? क्या उन्हें एलोपेथी, होमियोपेथी और नेचरोपेथी का बहिष्कार कर देना चाहिए?

लेखक-सिद्धार्थ शंकर /ईएमएस

भाजपा का मुर्मू फैक्टर

देश के सर्वोच्च पद यानी राष्ट्रपति के लिए 18 जुलाई को वोटिंग है। विपक्ष की तरफ से यशवंत सिन्हा को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि भाजपा की अगुआई वाली एनडीए ने द्रौपदी मुर्मू को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। आंकड़ों के हिसाब से अभी द्रौपदी मुर्मू ही मजबूत मानी जा रहीं हैं। मुर्मू आदिवासी समाज से आती हैं। अगर वह चुनाव जीतती हैं तो यह पहली बार होगा जब देश के सबसे सर्वोच्च पद पर कोई आदिवासी पहुंचेगा। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पहले ही द्रौपदी मुर्मू को समर्थन दे चुके हैं। इसके अलावा अगर वाईएसआर कांग्रेस भी साथ आती है तो उसके भी 43 हजार मत उनके साथ होंगे। इसके अलावा आदिवासी के नाम पर राजनीति करने वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए मुर्मू का विरोध करना मुश्किल है। झामुमो दबाव में आई तो मुर्मू को करीब 20 हजार वोट और मिल जाएंगे। वहीं, आम आदमी पार्टी, टीएसआर ने भी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। माना जा रहा है कि द्रौपदी के नाम पर ये दोनों पार्टियां भी एनडीए के साथ आ सकती हैं। इस तरह से एनडीए के पास सात लाख से ज्यादा वैल्यू वाले वोट हो जाएंगे और द्रौपदी आसानी से चुनाव जीत जाएंगी। जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तब से देश की सियासत में कई नई चीजें देखने को मिली हैं। द्रौपदी मुर्मू के रूप में पहली बार कोई आदिवासी महिला राज्यपाल बनीं। अब द्रौपदी के नाम एक और इतिहास जुड़ जाएगा। भाजपा उम्मीद करेगी की उसे इसका सियासी फायदा भी हो। द्रौपदी मुर्मू आदिवासी समाज से आती हैं। ये पहली बार होगा जब कोई आदिवासी देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होगा। इसका संदेश देश के 8.9 फीसदी अनुसूचित जनजाति के वोटर्स को जाएगा। कई राज्यों की कई सीटों पर

आदिवासी वोटर निर्णायक हैं। ऐसे में भाजपा ने द्रौपदी को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाकर अनुसूचित जनजाति के वोटरों को अपनी ओर करने की कोशिश की है। द्रौपदी मुर्मू अगर चुनाव जीतती हैं तो दूसरी महिला होंगी जो राष्ट्रपति बनेंगी। भारत में महिलाओं की आबादी पुरुषों के बराबर है। द्रौपदी का नाम प्रत्याशी के तौर पर एलान करने से महिलाओं में भी एक सकारात्मक संदेश जाएगा। द्रौपदी के संघर्ष की कहानी भी लोग जानते हैं। महिला वोटरों का झुकाव भाजपा की ओर माना जाता है। खुद प्रधानमंत्री कई बार इसका जिक्र कर चुके हैं। ऐसे में एक महिला को राष्ट्रपति बनाने से भाजपा को महिला मतदाताओं में अपनी पकड़ को और मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है। अगले दो सालों में 18 राज्यों में चुनाव होने हैं। इनमें दक्षिण के चार बड़े राज्य शामिल हैं। ओडिशा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना। वहीं, पांच राज्य ऐसे हैं जहां अनुसूचित जनजाति और आदिवासी वोटर्स की संख्या काफी अधिक है। इनमें झारखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र शामिल हैं। इन सभी राज्यों की 350 से ज्यादा सीटों पर मुर्मू फैक्टर भाजपा के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। 2024 में ही लोकसभा चुनाव भी है। आंकड़ों पर नजर डालें तो देश में 47 लोकसभा और 487 विधानसभा सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। हालांकि, अनुसूचित जनजाति और आदिवासी वोटर्स का प्रभाव इनसे कहीं ज्यादा सीटों पर है। 2019 लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 47 सीटों में 31 पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। द्रौपदी मुर्मू का नाम राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए आते ही इसकी चर्चा होने लगी। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। ऐसे में यहां से किसी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति पद पर ले जाने से समानता और एकता का बड़ा संदेश जाएगा।

शाश्वत प्रेम अंतहीन है

प्रेम कितना ही होता जाए, अधूरा ही बना रहता है। वह परमात्मा जैसा है। कितना ही विकसित होता जाए, पूर्ण से पूर्णतर होता जाता है, फिर भी विकास जारी है। जैसे प्रेम का अधूरापन ही उसकी शाश्वतता है। ध्यान रखना कि जो चीज पूरी हो जाती है, वह मर जाती है। पूर्णता मृत्यु है; क्योंकि फिर बचा नहीं कुछ करने को, होने को कुछ बचा नहीं, आगे कोई गति न रही। जो चीज पूर्ण हो गयी, वह मर गयी। मर ही जायेगी, क्योंकि फिर क्या होगा? सिर्फ वही जी सकता है जो शाश्वत रूप से अपूर्ण है, अधूरा है, आधा है। तुम कितना ही भरो, वह अधूरा रहेगा। आधा होना उसका स्वभाव है। तुम कितने ही तृप्त होते जाओ, फिर भी पाओगे कि हर तृप्ति और अतृप्त कर जाती है। जितना पीते हो, उतनी ही प्यास बढ़ती चली जाती है। यह ऐसा जल नहीं है कि पी लो और तृप्त हो जाओ। यह प्यास को और जलाएगा। इसलिए प्रेमी कभी तृप्त नहीं होता। उसके आनंद का कोई अन्त नहीं है। क्योंकि आनंद का वहीं अन्त हो जाता है, जहां चीजें पूरी हो जाती हैं। कामी तृप्त हो सकता है, प्रेमी नहीं। काम का अन्त है, सीमा है; प्रेमी का कोई अन्त नहीं, कोई सीमा नहीं। प्रेम आदि-अनादि है। वह ठीक परमात्मा के स्वरूप का है। इस जगत में प्रेम परमात्मा का प्रतिनिधि है, समय की धारा में समयातीत का प्रवेश है, मनुष्य की दुनिया में अतिमानवीय किरण का आगमन है। प्रेम प्रतीक है यहां परमात्मा का और उसका स्वभाव परमात्मा जैसा है। परमात्मा कभी पूरा नहीं होगा, नहीं तो समाप्त हो जाएगा। उसकी पूर्णता बड़ी गहन अपूर्णता जैसी है। उपनिषद कहते हैं कि उस पूर्ण से पूर्ण को निकाल लो तो भी वह पूर्ण ही रहता है। उस पूर्ण में और पूर्ण को डाल दो, तो भी वह उतना ही रहता है, जितना था। वह जैसा है, वैसा ही है; उसमें घट-बढ़ नहीं होती। प्रेम भी जैसा पहले दिन होता है, वैसा ही अंतिम दिन भी होगा। जो चुक जाये, उसे तुम प्रेम ही मत समझना; वह काम वासना रही होगी। जिसका अन्त आ जाये, वह शरीर से सम्बन्धित है। आत्मा से जिस चीज का भी सम्बन्ध है, उसका कोई अन्त नहीं है। शरीर भी मिटता है, मन भी मिटता है; आत्मा तो चलती चली जाती है। वह यात्रा अनन्त है। मंजिल कोई है नहीं, क्योंकि अगर मंजिल हो तो मृत्यु हो जायेगी। तो कबीर कहते हैं : ढाई आखर प्रेम का! वे प्रेम के ढाई अक्षर की तरफ इशारा तो करते ही हैं, गहरा इशारा है प्रेम के आधेपन का। प्रेमी और प्रेयसी के बीच एक अदृश्य धारा है, एक अदृश्य आंदोलन है, एक सेतु है जिससे वे दोनों जुड़ गये हैं और एक हो गये हैं।

अनुशासनहीनता और भ्रष्टाचार को समर्थन क्यों?

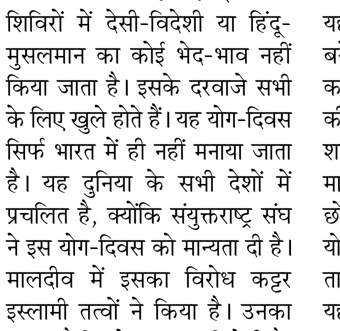

लेखक- सुरेश हिन्दुस्थानी (ईएमएस)

अभी देश में दो दृश्य एक साथ दिखाई दे रहे हैं। दोनों ही दृश्यों में परदे के पीछे का राजनीतिक उद्देश्य दिखाई दे रहा है। कुछ पाने की लालसा में उठाए गए इन राजनीतिक कदमों के चलते देश में एक विशेष प्रकार का भ्रम पैदा करने का सुनियोजित प्रयास किया गया। इन दृश्यों के मूल में केवल भाजपा और मोदी सरकार का विरोध ही केंद्र में दिखाई देता है। इससे कहा जा सकता है कि आज देश की पूरी राजनीति केवल मोदी केंद्रित हो गई है, चाहे वह समर्थन में हो या फिर विरोध में ही क्यों न हो। यहां सवाल यह है कि विरोध का तरीका लोकतांत्रिक हो तो किसी बात का संशय नहीं है, लेकिन यह विरोध संवैधानिक मयार्दाओं की चीरहरण करने वाला हो तो जनता के मन में निश्चित ही संदेह उत्पन्न होगा ही। अभी कांग्रेस की ओर से दिल्ली में सत्याग्रह के नाम पर एक परिवार को बचाने की राजनीति की जा रही है, जिसमें कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री अपने काम छोड़कर यह साबित करने की होड़ में लगे हैं कि गांधी परिवार का सबसे बड़े हितैषी वही हैं। यहां आंदोलन को सत्याग्रह का नाम दिया गया, जबकि इस मामले में प्रथम दृष्टया सत्य जैसा कोई आग्रह ही नजर नहीं आता, क्योंकि किसी भी प्रकरण की जांच होना एक संवैधानिक प्रक्रिया का हिस्सा है और उसमें राजनीतिक दबाव बनाने की योजना से कार्य किया जाना निश्चित ही उस जांच प्रक्रिया को बाधित करने जैसा ही कदम माना जाएगा। यहां बड़ी बात यह है कि गांधी परिवार से पूछताछ से पूर्व भी कांग्रेस के कई नेताओं और नेशनल हेराल्ड मामले से जुड़े अन्य लोगों से भी पूछताछ की गई, लेकिन तब कांग्रेस की ओर से किसी भी प्रकार से कोई विरोध नहीं किया गया और न ही सत्याग्रह जैसी कोई कवायद ही की गई, लेकिन जब गांधी परिवार को समन भेजा गया तो पूरी कांग्रेस नेशनल हेराल्ड घोटाले के समर्थन में खड़ी होती दिखाई दी। कांग्रेस के नेता अगर अपने नेताओं को दोषी नहीं मानते हैं, तब यह बात जांच में भी सामने आ सकती है। इसलिए कांग्रेस को नेताओं को कम से कम जांच के बाद परिणाम आने तक प्रतीक्षा करनी चाहिए थी, लेकिन कांग्रेस की ओर से संवैधानिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा है। जिसके चलते यही लग रहा है कि कहीं न कहीं इस मामले में गड़बड़ जरूर है। कांग्रेस की यह फितरत रही है कि जब भी कांग्रेस का कोई बड़ा नेता आर्थिक गड़बड़ी में फंसता हुआ दिखाई देता है, तब वह अपनी ओर से रटा-रटाया बयान देते हैं कि मोदी सरकार राजनीतिक बदले की भावना से काम कर रही है। ऐसी बातें मोदी सरकार की नहीं, बल्कि कांग्रेस की बदले की भावना के चरित्र को ही उजागर करती हैं। जब से देश में कांग्रेस का राजनीतिक अवसान हुआ है, उसके बाद से न कांग्रेस नेताओं के व्यवहार में कोई परिवर्तन आया है और न ही वह मानसिक रूप से यह मानने को तैयार हैं कि उनकी राजनीतिक ताकत कम हो चुकी है। कांग्रेस के नेता आज भी वैसा ही व्यवहार कर रहे हैं, जैसे वह सत्ता में हैं। यहां एक बात और कांग्रेस को समझनी चाहिए कि कांग्रेस को सत्ताच्युत करने में भाजपा की भूमिका कम और देश की जनता की भूमिका अधिक है, क्योंकि भारत में लोकतंत्र है और लोकतंत्र में जनता जिसको चुनती है, उसी की सरकार बनती है। इसलिए कांग्रेस को कम से कम लोकतांत्रिक जनादेश का सम्मान करना चाहिए। आज कांग्रेस की मनोदशा ऐसी हो गई है कि उसे सूझ ही नहीं रहा कि किस मुद्दे का विरोध किया जाए और किसका समर्थन। क्योंकि मोदी सरकार के कुछ काम काम ऐसे हैं, जिसे जनता पसंद कर रही है, लेकिन कांग्रेस हर बात का विरोध करने लगती है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस नेताओं का सत्ता के बिना जीवन उस मछली जैसा है, जो बिना जल के रहती है। कांग्रेस को इस सत्य को स्वीकार करना ही चाहिए कि अब देश में सरकार बदल चुकी है। उसे जनता ने चुना है, कोई युद्ध करके नहीं जीता। कांग्रेस का दर्द यह भी है कि उन्होंने अपनी सत्ता रहते हुए देश में जिस प्रकार के वातावरण का निर्माण किया, वह अब बीते दिनों की बात होती जा रही है।

अनुच्छेद 370 के बारे में कांग्रेस सहित कई दलों ने राजनीतिक प्रलाप किया। जबकि यह भी बड़ा सच है कि भाजपा को जनता ने इसी के लिए चुना। इसलिए यही कहा जा सकता है कि जनता भी यही चाहती थी कि भाजपा अनुच्छेद 370 को हटाए और भाजपा को केंद्र की सत्ता में ला दिया। जहां तक भ्रष्टाचार की बात है तो यह आसानी से कहा जा सकता है कि कांग्रेस के शासनकाल में यह आम धारणा बन चुकी थी कि देश से अब भ्रष्टाचार समाप्त नहीं किया जा सकता। कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी इसको खुले तौर पर स्वीकार किया था कि हम केंद्र से जितने रुपये भेजते हैं, उसका 15 प्रतिशत ही पहुंच पाता है। यानी 85 प्रतिशत भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था। इस व्यवस्था को कांग्रेस ने बदलने की कोई कवायद नहीं की, लेकिन अब मोदी सरकार ने इस व्यवस्था को बदलने का साहस दिखाया तो उसके परिणाम यह आए कि जहां पैसों को पहुंचना चाहिए था, उन तक पूरा पैसा पहुंच रहा है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि बीच का भ्रष्टाचार कुछ हद तक कम हुआ है। आज के राजनीतिक वातावरण को देखते हुए यह पूरे विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि मोदी की सरकार ने ऐसा कोई काम नहीं किया, जो भ्रष्टाचार के दायरे में आता हो। इसके विपरीत कांग्रेस शासनकाल के ऐसे एक नहीं, बल्कि अनेक उदाहरण हैं जो भ्रष्टाचार की श्रेणी में आ सकते हैं। जहां तक सरकार की नीतियों और सिद्धांतों की बात है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह बहुत पहले ही व्यक्त कर दिया था कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा। आज भी मोदी सरकार इसी नीति पर कार्य कर रही है। जाहिर है कि यह सिद्धांत किसी भी भ्रष्टाचारी को पसंद नहीं आएगा। आज की कांग्रेस का यही सबसे बड़ा दर्द है। वह चाहते हैं कि उन्होंने जो कार्य किया, उसकी जांच भी नहीं होनी चाहिए। यहां एक सवाल यह भी पैदा हो रहा है कि कांग्रेस की ओर से जो सत्याग्रह किया जा रहा है, उसमें किसी भी नेता की ओर से यह वक्तव्य नहीं दिया गया कि कांग्रेस नेशनल हेराल्ड मामले में दोषी नहीं है।

प्रसंगतः स्वर्ग और नरक

एक युवा सैनिक ने धर्मशास्त्रों का अध्ययन किया था। वह जानना चाहता था कि स्वर्ग और नरक में क्या अंतर है? उसने एक संत से पूछा, 'बताएं कि क्या स्वर्ग और नरक वास्तव में होते हैं या ये सिर्फ कल्पना हैं?' संत ने उसे अच्छी तरह देखा और पूछा, 'युवक, तुम्हारा पेशा क्या है?' सैनिक ने अपने पेशे के बारे में बताया तो संत ने उसका तिरस्कार करते हुए कहा, 'तुम और सैनिक! तुम्हें कौन सैनिक कहेगा। किसने तुम्हारी भर्ती कर दी। देखकर तो तुम कायर लगते हो। भय और आशंका तुम्हारे चेहरे पर स्पष्ट झलक रही है।' यह सुनकर उस सैनिक का खून खौल उठा। उसने बंदूक निकाल ली। संत ने कहा, 'तुम बंदूक भी रखते हो। बहुत अच्छे! तुम क्या इस खिलौने वाली बंदूक से मुझे डराओगे। इस बंदूक से तो बच्चा भी नहीं डरेगा।' यह सुनकर सैनिक अपना आपा खो बैठा, उसने झट से बंदूक का घोड़ा दबाने के लिए हाथ बढ़ाया तो संत ने कहा, 'लो, बस यही है नरक का द्वार।' संत की बात का मर्म समझते ही युवक की आंखें खुल गई और अपने किए पर वह ग्लानि से भर गया। वह संत के चरणों में गिर पड़ा। चरणों में गिरते ही संत ने कहा, 'लो, स्वर्ग का द्वार खुल गया। स्वर्ग एवं नरक, आनंद एवं दुःख ही वह स्थिति है जो हम शांत रहकर या क्रोध करके उत्पन्न करते हैं। जिस क्षण व्यक्ति को क्रोध आता है उसका संपूर्ण अस्तित्व गहरी अशांति को प्राप्त हो जाता है। यह प्रत्यक्ष नरक के समान दुखदायी होता है। खुद की शांति के लिए हम स्वयं जिम्मेदार हैं जब हम इस जिम्मेदारी को उठाते हैं, स्वर्ग का निर्माण कर रहे होते हैं। संसार हमारी ही सृष्टि है।'

खुले दरबार में लोग बोले, जलभराव के साथ लचर है शहर में सफाई व्यवस्था

-जनता दरबार में विधायक के समक्ष लोगों ने अधिकतर इसी तरह की समस्या रखी
-वार्ड-15 में लगे जनता दरबार में आई 80 समस्याएं

गुरुग्राम, (हि.स.)। गुरुग्राम विधानसभा में आमजन की जनसमस्याओं की सुनवाई व मौके पर ही उनके निस्तारण को लेकर गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने विधायक आपके द्वार कार्यक्रम के तहत वार्ड-15 में जनता दरबार लगाया। उन्होंने यहां लोगों की समस्याएं सुनी। आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला में यह कार्यक्रम सेक्टर-4 स्थित सामुदायिक केंद्र भवन में आयोजित किया गया। विधायक सुधीर सिंगला ने बताया कि वार्ड-15 में आयोजित जनता दरबार में आज सेक्टर 4 व 7, सेक्टर 7 एक्सटेंशन, कृष्णा कॉलोनी व न्यू कॉलोनी से आए दर्जनों लोगों ने उनके समक्ष करीब 80 समस्याएं रखी, जिसमें अधिकतर समस्याएं जलभराव व सफाई व्यवस्था से संबंधित थी। लोगों की समस्याएं सुनते हुए श्री सिंगला ने अधिकतर समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। वहीं कुछ समस्याओं के समाधान के लिए समय सीमा तय करते हुए उनकी समस्या का निदान करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जनसंख्या की दृष्टि से गुडगांव विधानसभा क्षेत्र प्रदेश की सबसे बड़ी विधानसभा है, लेकिन जिस तीव्र गति से वे जनता दरबार लगाकर लोगों की जनसमस्याओं का निवारण कर रहे है, शायद ही पूवज में किसी ने ऐसे कार्यक्रम किए हों। गौरतलब है कि विधायक श्री सिंगला द्वारा गुरुग्राम विधानसभा में प्रत्येक गुरुवार को वार्ड अनुसार जनता दरबार लगाए जा रहे हैं, जिसमें आमजन की छोटी समस्याओं को प्रारंभिक स्तर पर निपटारा करने के साथ-साथ अन्य समस्याओं के लिए भी संबधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उसके निवारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। श्री सिंगला ने कहा कि उनकी विधानसभा में नगर निगम के 16 वार्ड हैं, जिसमें नए गुरुग्राम व पुराने गुरुग्राम में क्रम अनुसार जनता दरबार लगाए जा रहे हैं। विधानसभा के सभी वार्डों में जनता दरबार आयोजित करने में करीब छह महीने का समय लगेगा। एक बार सभी वार्डों का क्रम पूरा होने पर पुनः इसी क्रम में फिर से सभी वार्ड में जनता दरबार आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान नई समस्याओं की सुनवाई के साथ साथ जनता दरबार में पूर्व में सुनी गई समस्याओं व उसके निवारण की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम विधानसभा के लोगों की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। यदि कोई नागरिक अन्य दिनों में अपनी फरियाद लेकर आना चाहे तो वे प्रत्येक शुक्रवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच शमा टुरिस्ट कॉम्प्लेक्स के सामने अपने कार्यालय में जन समस्याओं की सुनवाई करते हैं। इस अवसर पर वार्ड-15 की पार्षद सीमा पाहुजा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पेयजल व सीवरेज संबंधी समस्याओं का तुरंत समाधान करें अधिकारी: मेयर

हिसार के मेयर गौतम सरदाना ने किया विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण, दिये निर्देश

हिसार, (हि.स.)। मेयर गौतम सरदाना ने जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि पेयजल व सीवरेज संबंधी समस्याओं तुरंत प्रभाव से समाधान करें ताकिबरसात के दिनों में जलभराव की स्थिति पैदा न हो। उन्होंने कहा कि इस काम में किसी तरह की ढ़िलाई नहीं होनी चाहिए। मेयर गौतम सरदाना गुरूवार को शहर के शास्त्री नगर क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे थे। उनके साथ सीनियर डिप्टी मेयर अनिल सैनी, पूर्व मनोनीत पार्षद सुनील वर्मा, जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और एरिया के मौजिज लोग मौजूद रहे। शास्त्री नगर के लोगों ने मेयर गौतम सरदाना को सीवरेज व पेयजल समस्याओं से अवगत करवाया। मेयर गौतम सरदाना को एरिया के लोगों ने बताया कि पेयजल व सीवरेज लाइन कई गलियों में लीक है जिसको कई बार कर्मचारी ठीक कर चुके हैं, लेकिन स्थाई समाधान आज तक नहीं हुआ है। मेयर ने जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ जसबीर व कंवरपाल को निर्देश दिये कि पेयजल लाइनें जहां जहां लीक है, उनकी जांच कर तुरंत प्रभाव से ठीक करवाया जाये और 24 घंटे के अंदर सभी समस्याओं का समाधान करके अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इसके अतिरिक्त जिन एरिया में पेयजल लाइन बदलने की जरूरत है, उन एरिया में पेयजल लाइन बदली जाये। मेयर गौतम सरदाना ने निर्देश दिये कि जिन एरिया में सीवरेज ब्लॉक होने की समस्या है उन सभी लाइनों की तुरंत प्रभाव से सफाई करवाई जाये। जिन मैनहॉल के ढक्कन टूटे हुये है, उनके ढक्कन नये लगाये जाये, जिन एरिया में लाइन बिछाने के दौरान सड़के तोड़ी गई है, उन सड़कों को ठीक करवाया जाये और उनका लेवल दुरूस्त किया जाये। तत्पश्चात मेयर गौतम सरदाना ने ग्रीन पार्क के अशोका पार्क का किया निरीक्षण और अधिकारियों को पार्क की व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। इस दौरान अशोका पार्क समिति के प्रधान यज्ञदत्त सेतिया व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी रविंद्र कौर, ज्योति टुटेजा, कमल कुमार, राधेश्याम भाटिया व प्रेम टक्कर आदि मौजूद रहे।

हेमसा का डीसी दफ्तर पर सांकेतिक भूख हड़ताल का पड़ाव

भिवानी, (हि.स.)। हरियाणा एजुकेश मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन संबंद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर कर्मियों ने गुरुवार को डीसी दफ्तर पर पड़ाव डालकर एक दिवसीय भूख हड़ताल की। सांकेतिक भूख हड़ताल की अध्यक्षता जिला प्रधान सुकेश कुमार व संचालन सचिव कृष्ण रूपाणा द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के तौर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेश लांबा, ऑ-डिटर अनिल सिंगला, महासचिव विजय लांबा ने भूख हड़ताल पर बैठे कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने सभी विभागों के मिनिस्ट्रीयल स्टाफ के कैडर पर हमला बोलते हुए स्टाफिंग पॉलिसी बना दी है, इसके लागू होने से ग्रुप डी से लेकर अधीक्षक तक के पद समाप्त होंगे। वेतनमान की बात हो या पदोन्नति फील्ड मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मी लगातार पिछड़ता जा रहा है। सरकार धीरे-धीरे पेपरलैस के नाम पर कर्मचारी विहीन दफ्तरों की स्थापना की ओर बढ़ रही हैं। वर्कलोड अनुसार नए पद सृजित करने की बजाए विभाग के आकार को सिकोड़ा जा रहा हैं। भूख हड़ताल पर बैठे कर्मियों को सकसं के जिला अध्यक्ष सुखदर्शन सरोहा व सचिव सूरजभान जटासरा ने फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया। आंदोलन के द्वितीय चरण में अंबाला व भिवानी के कर्मचारी सांकेतिक भूख हड़ताल पर रहे। सांकेतिक भूख हड़ताल पर बैठे कर्मियों के हुंकार भरी कि अगर समय रहते मांगों का समाधान नहीं किया गया तो वे 21 अगस्त को शिक्षा मंत्री आवास पर हल्ला बोल प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी मांगों में 25 अगस्त 2014 के मंत्रीमंडल के फैसले अनुसार लिपिक का वेतन पै-मैट्रिक्स लेवल-6 में 35 हजार 400, पुरानी पेंशन, ऑनलाईन ट्रांसफर में दूर स्थानांतरित का समायोजन, पोस्ट कैप्ट ना करने, वरिष्ठता सूची अपडेट, विकलांग कर्मियों सहित सभी पदोन्नतियां, एसीपी मामलों का निपटान, एसईटीसी के स्थान पर विभागी रिफेशर कोर्स, कौशल रोजगार निगम भंग करने, वर्क लोड अनुसार नए पद व सेवानियम मांगों को लेकर फील्ड कर्मी पिछले लंबे समय से संघर्षरत्त है, लेकिन उनकी मांगों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है।

अग्निवीर के नाम पर फौजियों को गुलाम बनाना चाहती है सरकार: नवीन जयहिन्द

गुरुग्राम, (हि.स.)। आम आदमी पार्टी के पूर्व हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष नवीन जयहिन्द ने 26 जून को दिल्ली जंतर-मंतर पर पंहुचने का गुरुवार को गुरुग्राम में आकर आह्वान किया। यहां पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि उन्होंने सभी 37 बिरादरियों को मीडिया के माध्यम से उनकी ताकत का अहसास कराया। समाज की 37 बिरादरी कमजोर नहीं हैं। इसके लिए 26 जून को दिल्ली जंतर मंतर पर पहुंचकर अपनी ताकत का अहसास सरकार को करवाएं। हर रोज कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा किसी न किसी हिन्दू ओर कश्मीरी पंडितों की हत्या की जा रही हैं। केंद्र की मोदी सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी हुई हैं कश्मीरी पंडितों ओर वहां रह रहे हिन्दुओं के लिए कुछ नहीं कर रही है। जिससे कश्मीरी पंडित कश्मीर से पलायन करने को मजबूर हैं। जयहिन्द ने बताया कि मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर जवानों को अग्निपथ के तहत चार साल नौकरी करने बाद उन्हें वापस आने पर सरकारी नौकरी देने की बात कह रहे है। हम मुख्यमंत्री से यह पूछना चाहते है कि जवानों को फौज में ही पक्की अथवा सरकारी नौकरी क्यों नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि सीएम मनोहर लाल हमेशा के लिए मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे, जो वे चार साल बाद जवानों को नौकरी का वादा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पहले जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा करके दिखाए। जयहिन्द ने कहा कि अगर अग्निपथ योजना इतनी ही अच्छी है तो सभी नेता व मंत्री अपने-अपने बच्चों को फौज में भर्ती कर-वाए। सरकार ने अग्निपथ योजना लाकर युवाओं के भविष्य के साथ भद्दा मजाक किया हैं। युवा केवल पैसों के लिए फौज में नहीं जाते, बल्कि युवाओं में देश सेवा का जुनून होता हैं। जयहिन्द ने कहा कि देश के सांसद विधायक या मंत्री घर बैठकर कश्मीर के हिन्दुओं के पलायन पर ट्वीट कर देते हैं। यह बहुत बड़ी शर्मनाक बात हैं। अगर वास्तव में स-ांसद, विधायक कश्मीरी हिन्दुओं का भला चाहते हैं तो कश्मीर के लाल चौक पर जाकर एक घण्टा फेसबुक लाइव करें, तब वास्तव में देश को अहसास होगा कि देश के सांसद विधायक कश्मीरी हिन्दुओं के प्रति जवाबदेह हैं। फेसबुक लाइव करने वाले सांसद विधायकों को एक लाख रुपये इनाम देने के साथ-साथ उन्हें लाल चौक पर होटल में ही ठहरने का खर्च करेंगे।

अग्निपथ योजना लाभकारी, भर्ती के लिए लगाए जाएंगे 83 भर्ती मेले: रामराजी शर्मा

-भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ने कहा : अग्निवीरों के लिए सीएम द्वारा उठाया गया कदम स्वागतयोग्य

फतेहाबाद, (हि.स.)। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रामराजी शर्मा ने केंद्र सरकार द्वारा लाई गई अग्निपथ योजना को लाभकारी बताते हुए कहा कि इस योजना से देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने कहा कि इससे न केवल युवाओं को नौकरी का अवसर मिलेगा बल्कि वे अपनी पढ़ाई भी जारी रखने के साथ-साथ अच्छी ट्रेनिंग भी ले पाएंगे। इस योजना में अब कोरोना महामारी के चलते आयु सीमा में 2 वर्ष की छूट दी गई है। भर्ती हुए अग्नि वीरों को तीनों सेना में कार्य करने का मौका मिलेगा। वे गुरुवार को भाजपा जिला कार्यालय में पदाधिकारियों से बातचीत कर रहे थे। भाजपा जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा व अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामरामजी शर्मा ने कहा कि इस योजना के तहत भर्ती के लिए 83 भर्ती मेले लगाए जाएंगे, जिसमें 40 हजार अग्निवीरों की भर्ती की जाएगी। इस संख्या को आवश्यकता अनुसार घटाया या बढ़ाया भी जा सकता है। उन्होंने अग्निवीरों को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए कदम को स्वागतयोग्य बताते हुए कहा कि सीएम ने घोषणा की है कि जो अग्निवीर सेनाओं में नहीं जा पाएंगे, उनकी वापिसी पर हरियाणा सरकार उनको 100 प्रतिशत रोजगार देगी। यह रोजगार हरियाणा पुलिस, हरियाणा फायर सर्विस तथा प्रदेश की अन्य तृतीय श्रेणी में दी जाएगी।

बूथ स्तर पर मनाया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस

फतेहाबाद, (हि.स.)। आजादी के बाद देश की एकता, अखण्डता के लिए अपना बलिदान देने वाले भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान शिक्षाविद् व प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस आज जिलेभर में भाजपा कार्यकताओं ने बूथ स्तर पर श्रद्धाभाव से मनाया। कार्यकताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। भाजपा जिला कार्यालय में भी भाजपा पदाधिकारियों ने इस कार्यक्रम को श्रद्धाभाव से मनाया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ व भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी ने मां भारती की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया। देशहित में अनेक कार्य किए, जिन्हें भुलाना संभव नहीं है। हम सभी को उनके जीवन तथा उनके कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए और यह संकल्प लेना चाहिए कि स्वहित से बड़ा देशहित होता है। डॉ. मुखर्जी ने 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की और दो निशान, दो विधान और दो संविधान का खुला विरोध किया। कश्मीर समस्या को लेकर बड़े संघर्ष की शुरूआत की। तत्कालिक कांग्रेस सरकार के कुचक्र के कारण डॉ. मुखर्जी जेल गए और जेल में ही संदिग्ध हालत में मां भारती की सेवा में अपना जीवन बलिदान किया। डॉ. मुखर्जी देश के सच्चे सपूत थे। इस अवसर पर जिला महामंत्री जगदीश शर्मा, मीडिया प्रभारी महेश शर्मा, डॉ. रणजीत ओड, बनवारी लाल गहलोत, चन्द्र प्रकाश बजाज, पटेल सोनी, प्रेम वडवाल, रामकुमार मेहरा, हंसराज सचदेवा, नवजोत ग्रोहा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सार्वजनिक सेवाएं किसी भी सूरत में नहीं होनी चाहिए प्रभावित: निगमायुक्त

-निगमायुक्त ने नगर निगम की स्वच्छता शाखा के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में दिए निर्देश

गुरुग्राम, (हि.स.)। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त मुकेश कुमार आहुजा ने कहा कि सार्वजनिक सेवाएं जैसे सफाई किसी भी सूरत में प्रभावित नहीं होनी चाहिए। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रतिदिन सफाई व्यवस्था बेहतर हो।

इसके लिए निगरानी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाएं। यह बात उन्होंने गुरुवार को निगम की स्वच्छता शाखा के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था के लिए कार्य कर रहे कर्मचारियों तथा मशीनरी की प्रभावी निगरानी की जाए तथा यह सुनिश्चित करें कि मौके पर किसी भी कारण से सफाई कार्य प्रभावित ना हो। सफाई के कार्य में लगी एजेंसियों में से जो भी एजेंसी सही तरीके से कार्य नहीं करवा पा रही है तो उसके खिलाफ नियमों के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करें। निगमायुक्त ने कहा कि स्वच्छता कार्य में लगी सभी मशीनरी जैसे जेसीबी, ट्रैक्टर-ट्रॉली आदि पर नगर निगम का लोगो होना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि उक्त मशीनरी के माध्यम से नगर निगम से ही संबंधित कार्य किया जा रहा है। इस-के अलावा रात्रि के समय मुख्य सडकों की सफाई के लिए लगी हुई स्वीपिंग मशीनों की निगरानी एवं चेकिंग भी प्रभावी तरीके से सुनिश्चित की जाए। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा 7 स्थानों पर बनाए गए मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी के संचालन के बारे में निगमायुक्त ने कहा कि इनका संचालन करने के लिए इकोग्रीन एनर्जी को निर्देश दें।

निगमायुक्त ने कहा कि सैनीटेशन विंग की स्पेशल स्क्वायड द्वारा सभी 614 बल्क वेस्ट जनरेटर को चैक करवाएं। जो ठोस कचरा प्रबंधन नियमों की पालना नहीं कर रहे हैं, उनके नियमानुसार चालान करें।

मूसेवाला हत्याकांड में दिल्ली पुलिस ने फतेहाबाद से दो युवक दबोचे

वारदात के बाद हत्यारोपियों के इन्हीं के होटल में ठहरने व हथियार सौंपने का आरोप

फतेहाबाद, (हि.स.)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का फतेहाबाद कनेक्शन लगातार सामने आता जा रहा है। इस हत्याकांड में पंजाब पुलिस जहां पहले भिरड़ाना निवासी दो युवकों पवन व नसीब के अलावा गांव मुसाअहली निवासी देवेन्द्र उर्फ काला को गिरफ्तार कर चुकी है, वहीं अब दिल्ली पुलिस की टीम ने इस मामले में गुरुवार को छापेमारी कर भट्टू रोड स्थित एक होटल मालिक सहित दो युवकों को हिरासत में लिया है। आरोप है कि मूसेवाला की हत्या के बाद शूटर इसी होटल में आकर रुके थे और उन्होंने हत्या में प्रयुक्त हथियारों को भी इनके हवाले किया गया था। दिल्ली पुलिस की कार्यवाही बारे फतेहाबाद एसपी का कहना है कि दिल्ली पुलिस ने उनके साथ किसी प्रकार की जानका-री सांझा नहीं की है। उन्होंने किसी गिरफ्तारी की सूचना नहीं है। दिल्ली पुलिस ने फतेहाबाद के किसी थाना में अपने आगमन बारे सूचना नहीं दी है।

मिली जानकारी के अनुसार सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस में दिल्ली पुलिस की टीम ने गत दिवस हिसार जिले के गांव किरमारा में छापेमारी कर दो युवकों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने इनके पास से वारदात में प्रयुक्त हथियार और हैंड ग्रेनेड आदि बरामद किए थे। इन युवकों से पूछताछ के बाद मिली जानकारी के आधार पर दिल्ली पुलिस ने फतेहाबाद में छापेमारी कर प्रदीप और पवन नामक दो युवकों को हिरासत में लिया है। इन पर हत्यारों को अपने होटल में पनाह देने का आरोप है। सूत्रों का कहना है कि सिद्धू मूसेवाला की हत्या में शामिल दो गैंगस्टर वा-रदात के बाद भट्टू रोड स्थित इनके होटल में रुके थे। यह होटल प्रदीप का बताया जा रहा है। बताया जाता है कि गैंगस्टर ने मूसेवाला की हत्या में प्रयुक्त हथियारों वाले बैग को प्रदीप सौंपा था। बाद में ये हथियार हिसार के गांव किरमारा से बरामद हुए। जानकारी मिली है कि किरमारा से पुलिस द्वारा पकड़े गए दोनों युवकों का प्रदीप के साथ कार खरीदने-बेचने का काम था। ऐसे में उनके साथ दोस्ती थी। प्रदीप ही हथियारों वाला बैग किरमारा में छोड़कर आया था। दिल्ली पुलिस ने अब प्रदीप और उसके दोस्त पवन को हिरासत में लिया है।

रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने नशे के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाया

यमुनानगर, (हि.स.)। प्रदेश भर में बढ रहे नशे के खिलाफ नशे से आजादी जन जागरण अभियान के तहत पुलिस महानिदेशक के द्वारा जारी दिशा निर्देश पर 12 जून से 26 जून तक पखवाडा परे प्रदेश में मनाया जा रहा है। इसी कडी में राजकीय रेलवे के पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर यमुनानगर-जगाधरी रेलवे स्टेशन पर भी राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान रेल्वे स्टेशन पर चलाया गया। जिसमें आने-जाने वाले यात्रियों को नशे से दूर रहने के बारे में जागरुक किया गया और हरियाणा सरकार द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 9050891500 के बारे में बताया। इस मौके पर राजकीय रेलवे पुलिस के सब इन्स्पेटर जसविन्दर सिंह ने सहायक सब इन्स्पेटर बलजीत सिंह, राकेश कुमार, परमेश्वर तिवारी, बोधराज, महिला सिपाही लक्ष्मी देवी सहित रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को जागरूक किया।

सेवानिवृत्ति के बाद काम करने के इच्छुक कर्मचारी समर्पण पोर्टल पर करें अपना पंजीकरण

-स्वयंसेवक के तौर पर करेंगे सरकारी योजनाओं को लागू करने में सहायता

नारनौल, (हि.स.)। हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किए गए समर्पण पोर्टल पर जिला के समर्पित सेवक पंजीकरण कराने लगे हैं। समर्पण पोर्टल पर पंजीकृत स्वयंसेवक मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना में अपना सहयोग देंगे। इसी संबंध में गुरूवार को अतिरिक्त उपायुक्त अनुराग ढालिया ने ऐसे ही समर्पित सेवक तथा मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना से जुड़े विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। अनुराग ढालिया ने कहा कि हरियाणा का कोई भी केंद्र या राज्य सरकार से सेवानिवृत्त कर्मचारी या अधिकारी जो विभिन्न योजनाओं को लागू करने में जिला प्रशासन का सहयोग करना चाहता है वह इस पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वयं सेवी समर्पण कार्यक्रम के साथ जुड़कर सरकार की योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों नागरिकों पहुँचाना सुनिश्चित करें। इसी योजना के ज़िला संयोजक दिव्यिजीत सिंह तंवर ने मीटिंग में ज़िले की सभी तहसील, नगर परिषद व ब्लॉक्स के कोऑर्डिनेटरों का गठन किया। उन्होंने कहा कि पोर्टल के माध्यम से ज़िले के नागरिकों का पंजीकरण किया जा रहा है। पोर्टल पर वालिंटियर अपनी विस्तृत जानकारी तथा इच्छा व उपलब्ध समयानुसार सेवा के कार्यक्षेत्र दर्ज कर सकते हैं। वालिंटियरों द्वारा उपलब्ध करवाई गई जानकारी के आधार पर उनकी रूचि के अनुसार उनकी सेवाएं ली जाएंगी। इस मौके पर जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा व मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी कृतीश कुमार भी मौजूद रहे।

19 लाख के गबन मामले में बिजली विभाग का कैशियर गिरफ्तार

फरीदाबाद, (हि.स.)। 19 लाख रूपए का गबन करने के आरोप में अपराध शाखा सेक्टर-65 पुलिस ने बिजली विभाग के कैशियर को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम बुध सिंह है जो हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के चूल्हा गांव का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार दिसंबर 2018 में बुध सिंह की नियुक्ति फरीदाबाद के बदरौला बिजली विभाग कार्यालय में कैशियर के पद पर हुई थी, जो जनवरी 2021 तक वहां पर तैनात रहा। विभाग का ऑडिट हुआ तो वर्ष 2019 तथा 2020 की केशबुक गायब मिली तथा ऑडिट के दौरान करीब 1937101 रुपए का गबन पाया गया। गबन पाए जाने पर बिजली विभाग एक्सइएन के माध्यम से पुलिस थाना तिगांव में 18 अक्टूबर 2021 को मुकदमा दर्ज किया गया तथा बुध सिंह का तबादला सिरसा के नाथूसरी कर दिया गया। आरोपी ने सिरसा में अपनी ड्यूटी ज्वाइन नहीं की और वहीं से फरार हो गया। मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच 65 प्रभारी ब्रह्म प्रकाश की टीम ने आरोपी को गुरुवार फरीदाबाद के सेक्टर 23 से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह हरियाणा बिजली विभाग में 24 फरवरी 1992 को भर्ती हुआ था। 2018 में बदरौला कार्यालय में कैशियर के पद पर नियुक्ति होने के बाद बिजली विभाग में आम जनता का बिजली बिल जमा करने व विभाग के सम्बंधित कैश का इन्चार्ज होते हुए लालच में आकर उसने लाखो रुपए का गबन करके कैश बुक को गायब कर दिया ताकि कोई सबूत ना मिल सके। पुलिस ने आरोपी को आज अदालत में पेश किया, जहां से उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

नाम कृतिका जांगिड़ पिता का नाम सुरेन्द्रि जांगिङ निवासी (रलावता) हाल निवासी बांदीकुई दौसा (राजस्थान) 13 वर्षीय बालिका कृतिका जांगिड़ का कल दिनांक 19/06/2022 दोपहर को अपहरण हो गया है। जिसका अभी तक कोई पता नहीं है परिवार जनों के मुताबिक कृतिका दोपहर को पड़ोस की दुकान पर कुरकुरे लेने गई थी लेकिन काफी देर तक वह घर नहीं आई तो परिवार जनों ने ढूंढना शुरू किया देर शाम तक परिवार जनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई परिवार जनों के मुताबिक कृतिका का अपहरण कर लिया गया है इसकी उम्र 13 साल है वह कक्षा 8 में ही पढ़ती है।जिसने

नीले रंग की जींस व टी शर्ट पहन रखी है। हाथ मै तांबे का कडा है। सभी भाइयों से हाथ जोड़कर नम्र निवेदन है कि इसे पोस्ट को ज्यादा से ज्यादा वायरल करें जितने भी भाई बहन सोशल मीडिया पर जितने भी प्लेटफार्म पर एक्टिव है चाहे वह ट्विटर हो इंस्टाग्राम हो फेसबुक व्हाट्सएप सभी जगह ज्यादा से ज्यादा वायरल करें ताकि बहन कृतिका का कुछ पता चल सके।

अगर किसी को कृतिका के बारे में कोई भी सूचना हो तो उनके पिताजी श्री सुरेंद्र जांगिड़ को सूचित करें।
Mob.9414713201, 9414047322 आपकी एक पहल उस परिवार की खुशियां वापस ला सकती है। मित्रो हाथ जोड़ के निवेदन करता हु इस पोस्ट को इग्नोर न करे और इस बहन को ढूंढने में सहयोग करे।

DELHI CRIME 24 june 2022:Layout 1 6/23/2022 9:14 PM Page 4

भारत ने संयुक्त राष्ट्र को चेताया, कुछ धर्मों तक सीमित न रखें भेदभाव के खिलाफ अभियान

न्यूयॉर्क, (हि.स.)। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा धार्मिक भेदभाव के खिलाफ चलाए जाने वाले अभियानों को कुछ धर्मों तक सीमित किये जाने के मसले पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की हिंसा को उकसावे से अत्याचार अपराध को बढ़ावा विषयक बैठक में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि आर. रवींद्र ने चेतावनी देते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र के अभियान सिर्फ कुछ धर्मों तक सीमित नहीं होने चाहिए। भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि नफरत फैलाने वाले भाषणों व भेदभाव के खिलाफ अभियान कुछ चुनिंदा धर्मों और समुदायों तक ही सीमित नहीं रहने चाहिए। यह सुनिश्चित करना संयुक्त राष्ट्र की जिम्मेदारी है कि ऐसे अभियानों के दायरे में सभी धर्मों और समुदायों के प्रभावित लोगों को शामिल किया जाए। हिंसा को बढ़ावा देना शांति, सहिष्णुता और सद्भाव की भावना के खिलाफ है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि आतंकवाद सभी धर्मों और संस्कृतियों का विरोधी है। आर. रवींद्र ने कहा कि हमें कट्टरपंथ व आतंकवाद का सामूहिक रूप से मुकाबला करना चाहिए। भारत हमेशा से यह मानता रहा है कि लोकतंत्र और बहुलवाद के सिद्धांतों पर आधारित समाज विविध समुदायों को एक साथ रहने के लिए एक बेहतर माहौल प्रदान करता है। संवैधानिक दायरे में विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का वैध प्रयोग लोकतंत्र को मजबूत करने तथा असहिष्णुता का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण होता है।

अफगानिस्तान में फिर भूकंप के झटके, नेपाल-भूटान की धरती भी कांपी

काठमांडू, (हि.स.)। अफगानिस्तान सहित कई देशों में भयावह जानलेवा भूकंप के बाद बुधवार रात नेपाल व भूटान में धरती कांपी। नेपाल में 4.3 और भूटान में 3.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गए। गुरुवार सुबह अफगानिस्तान में दोबारा 4.4 और 4.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गए। अफगानिस्तान में मंगलवार रात आया भूकंप भयावह साबित हुआ है। वहां एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, वहीं अपुष्ट सूत्र यह संख्या तीन हजार तक पहुंचने की बात कह रहे हैं। इतना तय है कि सैकड़ों लोग घायल हैं और उनमें से अधिकांश गंभीर अवस्था में अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं। इस बीच गुरुवार को एक बार फिर अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किये गए। भारतीय समयानुसार सुबह 7.18 मिनट पर अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किये गए। इस भूकंप का केंद्र काबुल से 262 किलोमीटर उत्तर पूर्व था। रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 4.3 मापी गयी। भारतीय समयानुसार सुबह 9.26 बजे पुनः अफगानिस्तान में काबुल से 255 किलोमीटर उत्तर पूर्व केंद्रित भूकंप के झटके महसूस किये गए। रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 4.4 मापी गयी। इस बीच नेपाल और भूटान में भी भूकंप के झटके महसूस किये गए हैं। भारतीय समयानुसार सुबह 3.41 बजे नेपाल में आए भूकंप का केंद्र राजधानी काठमांडू से 161 किलोमीटर दूर पश्चिमोत्तर में बताया गया है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.3 मापी गई। नेपाल के कास्की जिले के आसपास इसका असर देखा गया। बगलूल, परबत, म्यागडी और तनहुन जिले भी प्रभावित रहे। भारतीय समयानुसार सुबह 7.50 बजे भूटान में भी भूकंप के झटके महसूस किये गए, पर उनकी तीव्रता बहुत कम थी। भूटान में 3.5 तीव्रता के झटके लगे। यहां जान-माल के किसी नुकसान की जानकारी नहीं है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अफगानिस्तान में आए बड़े भूकंप की वजह से अभी भूगर्भिक प्लेटों में थोड़ी बहुत हलचल रहेगी। ऐसे में फिलहाल कुछ और भी झटके आने की आशंका है।

हमारा अंतरिक्ष हैरान कर देने वाली चीजों से है भरा हुआ

-पृथ्वी की बेशकीमती चीजें अंतरिक्ष में तैर रही यूं ही

वाशिंगटन (ईएमएस)। धरती वासियों के लिए अंतरिक्ष हमेशा से ही कौतुहल का विषय रहा है। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की माने तो हमारा अंतरिक्ष हैरान कर देने वाली चीजों से भरा हुआ है। जिन चीजों की पृथ्वी पर बहुत कीमत है वह अंतरिक्ष में यूं ही पत्थर की तरह तैर रहे हैं। ऐसा ही 16-साइकी एस्टेरॉयड है, जो कीमती खनिजों से भरा हुआ है। इस एस्टेरॉयड पर इतना कीमती खनिज है जो पूरी पृथ्वी की अर्थव्यवस्था से भी कहीं ज्यादा है। ये इतना ज्यादा है कि गरीब से गरीब देश अगर इसे सबसे पहले पा ले तो उसकी किस्मत बदल जाएगी। एक अनुमान के मुताबिक इस एस्टेरॉयड पर 10 हजार क्वाड्रियन डॉलर का खजाना है। लेकिन इसकी कीमत जितनी होश उड़ाने वाली है उतना ही मुश्किल यहां पर जाना है। क्योंकि यहां पर खनन करना पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था से भी ज्यादा महंगा है। यानी अगर हमने इस पर खनन करना चाहा तो पूरी दुनिया कंगाल हो जाएगी। आइए समझते हैं कि आखिर इस एस्टेरॉयड का खजाना पाना इतना मुश्किल क्यों है। 16-साइकी एस्टेरॉयड धातु से बना है। इस पर लोहा, निकल और सोना प्रचुर मात्रा में है।ये हमारे सौर मंडल के सबसे बड़े एस्टेरॉयड में से एक है। इसका वृत्त 140 किमी के लगभग है। ये आलू की तरह दिखता है। 16-साइकी एस्टेरॉयड हमारे सौर मंडल के एस्टेरॉयड बेल्ट में मंगल और बृहस्पति गृह के बीच है। यह हर पांच साल में ये सूर्य का एक चक्कर पूरा करता है। जितनी दूर पृथ्वी से सूर्य है ये एस्टेरॉयड उससे तीन गुना ज्यादा है। इस रहस्यमय एस्टेरॉयड की खोज इटली के खगोलशास्त्री एनीबेल डी गैस्पारिस ने 17 मार्च 1852 को की थी। उन्होंने ग्रीक देवता साइकी के नाम पर इस एस्टेरॉयड का नाम रखा। हालांकि अभी तक इसके लिए कोई मिशन लॉन्च नहीं किया गया है, लेकिन वैज्ञानिकों ने नासा के हबल टेलीस्कोप के जरिए एस्टेरॉय के इन्फ्रारेड वेवेलेंथ, रडार से ये पता लगाने में कामयाब रहे हैं कि इसका आकार आलू की तरह है।क्या 16-साइकी एस्टेरॉयड को लेकर और खोज करने का प्लान है? इसका जवाब हां है। अगस्त 2022 में नासा इस एस्टेरॉयड को लेकर एक मिशन लॉन्च करेगा। 2026 में ये एयरक्राफ्ट वहां पहुंचेगा। नासा का लक्ष्य होगा कि ये स्पेस क्राफ्ट 21 महीनों तक इस एस्टेरॉयड का चक्कर लगाए और इसकी सतह और वहां मौजूद धातु को लेकर डेटा इकट्ठा करे। हालांकि ये हमारे लिए चिंता की बात नहीं है, क्योंकि नासा इस पर खनन का प्लान नहीं बना रहा है।

नेपाल में आया 4.3 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल में स्थानीय समयानुसार गुरुवार सुबह सुबह 5:19 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.3 मापी गई, जो मध्यम श्रेणी का है। इसका केंद्र राजधानी काठमांडू से करीब 161 किलोमीटर दूर था। भूकंप का असर भारत के भी कई हिस्सों में देखा गया। खासकर नेपाल से सटे उत्तर प्रदेश और बिहार के इलाकों में. उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेपाल के नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने इस बात की जानकारी दी है कि अफगानिस्तान में आए बड़े भूकंप की वजह से अभी भूगर्भिक प्लेटों में हलचल रहेगी. ऐसे में कुछ और भी झटके आने की संभावना है। इस भूकंप का असर भारत के तराई इलाकों, यूपी और बिहार जैसे राज्यों में भी हुआ है। हालांकि अभी किसी तरह से नुकसान की कोई खबर नहीं मिली है। गौरतलब है कि अफगानिस्तान में दो दिन आए भीषण भूकंप में एक हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। लोगों को सामूहिक कब्जों में दफनाना पड़ा है। बड़े पैमाने पर लोग घायल हुए हैं। नेपाल मे 25 अप्रैल 2015 की सुबह 11 बजकर 56 मिनट पर भूकंप का जोरदार झटका महसूस किया गया था। भूकंप की तीव्रता 7.8 थी। भूकंप का केंद्र लामजुंग से 38 किलोमीटर दूर था और 15 किलोमीटर नीचे था। इस भूकंप ने राजधानी काठमांडु समेत कई शहरों को तबाह कर दिया था।

डेनमार्क अपने नागरिको को कोरोना वैक्सीन की चौथी डोज लगाने की तैयारी में

कोपेनहेगन (ईएमएस)। पूरी दुनिया करीब 3 साल से कोरोना माहमारी से जूझ रही है। कोरोना से बचाव के लिए कोविड-19 वैक्सीन लगाई जा रही है, लेकिन ये भी लंबे समय तक कारगर नहीं रहती। इसके बाद भारत सहित कई देशों ने बूस्टर डोज देना शुरू किया है। इस दूसरे डोज के 90 दिन बाद लगाया जा रहा है। इस बीच डेनमार्क ने अपने यहां चौथे डोज देने की तैयारी पूरी कर ली है। वहां 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को कोविड वैक्सीन की चौथी डोज जल्द ही लगेगी। डेनमार्क के प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने कहा कि उन्होंने आने वाले महीनों में कोविड महामारी के प्रसार को रोकने के लिए ये रणनीति बनाई है। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्यहालांकि, देश में कोविड संक्रमण अभी भी निम्न स्तर पर है। लेकिन हाल के दिनों में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के सबवेरिएंट बीए.5 मामलों की संख्या में वृद्धि देखी गई है, जो अन्य वेरिएंट की तुलना में अधिक तेजी से फैलता है। इसकारण वैक्सीन के चौथे डोज की शुरूआत की जा रही है। डेनमार्क के स्वास्थ्य मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, ओमिक्रॉन से संक्रमित 90 प्रतिशत मरीजों को पहले ही कोरोना वैक्सीन के दो डोज या बूस्टर शॉट लग चुके हैं।

देश में फिलहाल नए वेरिएंट के 41,342 मामले हैं, जिनमें से 29,781 लोग वैक्सीन के दोनों डोज ले चुके हैं। डेटा के अनुसार, जर्मनी और अमेरिका में भी कुछ ऐसा ही ट्रेंड देखने को मिला है। डेनिश स्वास्थ्य मंत्रालय के स्टेटन्स सीरम संस्थान की रिपोर्ट के मुताबिक, डेनमार्क में वैक्सीन न लगवाने वाले 3,500 संक्रमितों की तुलना में 37,842 संक्रमित हैं, जिन्होंने वैक्सीन लगवाई है। अब तक डेनमार्क की 78 प्रतिशत आबादी का वैक्सीनेशन हो चुका है। आंकड़ों के मुताबिक, 41,342 ओमिक्रॉन संक्रमितों में से अपना वैक्सीनेशन शेड्यूल पूरा कर चुके 29,781 मरीज है। इनके अलावा 7,330 मरीज हैं, जो तीसरा शॉट यानी बूस्टर डोज भी ले चुके हैं। केवल 731 ओमिक्रॉन संक्रमितों ने ही वैक्सीन की एक डोज ली है।

अंटार्कटिका का डूम्स-डे ग्लेशियर पिछले 5,500 साल में पिघल रहा तेजी से

लंदन (ईएमएस)। एक ताजा अध्ययन में ये चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि अंटार्कटिका का डूम्स-डे ग्लेशियर तेजी से पिघल रहा है। ये ग्लेशियर पिछले 5,500 साल में सबसे तेजी से पिघल रहा है। ये ग्लेशियर ब्रिटेन के आकार का है। अगर ये पिघल जाता है तो समुद्र तल में नाटकीय ढंग से बदलाव होगा। अंटार्कटिका बर्फ के दो हिस्सों में बंटा हुआ है। इसमें से एक को पूर्वी आइस शीट और पश्चिमी शीट कहा जाता है। अंटार्कटिक की पश्चिमी आइस शीट में थ्वाइट्स और पाइन आइलैंड ग्लेशियर हैं। थ्वाइट्स के तेजी से पिघलने के चलते इसे डूम्सडे नाम दिया गया है। नई स्टडी में पता चला है कि दोनों ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इनके पिघलने की दर 5,500 सालों में अब तक सबसे ज्यादा है। दोनों ग्लेशियर के विशालकाय आकार को देखते हुए माना जा रहा है कि अगर ये पिघलते हैं तो दुनिया में समुद्र स्तर में बढ़ोतरी होगी।इंपीरियल कॉलेज लंदन के पृथ्वी वैज्ञानिक और इस अध्ययन के सह लेखक डायलन रूड ने एक बयान में कहा कि पिछले कुछ शताब्दियों में ग्लेशियर का पिघलना स्थिर रहा है। लेकिन वर्तमान समय में इनके पिघलने की दर तेज हो रही है। रूड आगे बताते हैं, 'बर्फ पिघलने की बढ़ी हुई दर इस बात की ओर इशारा है कि पश्चिम अंटार्कटिक आइस शीट की धमनिया धरती की गर्मी के कारण टूट रही हैं। समुद्र का लेवल तेजी से बढ़ रही है जो भविष्य के लिए अच्छा नहीं होगा।' रूड ने आगे कहा कि इससे पहले देर हो जाए हमें तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। जिस रफ्तार से ये ग्लेशियर पिघल रहे हैं उस हिसाब से अगले कुछ सदियों में दुनिया के समुद्र स्तर में 3.4 मीटर की बढ़ोतरी हो जाएगी। हालांकि ये दोनों ग्लेशियर अभी भी समुद्र स्तर के बढ़ाने में अपनी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

आज का इतिहास 24 जून

1793 फ्रांस में पहला रिपब्लिकन संविधान स्वीकार किया गया.

1869 भारत के प्रथम प्रधानमंत्री दामोदर हरि चापेकर का जन्म हुआ.

1894 फ्रांस के राष्ट्रपति एम.एफ.सादी कार्नोट की हत्या लियोन में हुई.

1931 सोवियत संघ और अफगानिस्तान में संधि हुई.

1948 सोवियत संघ ने बर्लिन की नाकेबंदी की.

1960 यूनान यूगोस्लाविया और तुर्की ने बाल्कन संधि प्राप्त की थी.

1961 भारत में निर्मित प्रथम सुपरसानिक लड़ाकू विमान एच.एफ.ने पहली बार उड़ान भरी.

1963 राष्ट्रीय टेलेक्स सेवा की शुरुआत हुई .

1970 यमन के राष्ट्रपति अहमद हुसैन हाशमी की हत्या हुई.

1975 ईस्टर्न एयर लाइन्स 727 जेट विमान अमेरिका में तूफान की वजह से दुर्घटनाग्रस्त 113 लोगों की मृत्यु.

1980 पूर्व राष्ट्रपति वी.वी.गिरि का निधन हुआ.

1989 चीन में झाओ जियांग को कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख के पद से हटा दिए गए.

1994 उत्तरी बोस्निया में लड़ाई दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद फिर भड़की.

1997 प्रसिद्ध ओडीसी नृत्यांगना संयुक्ता पाणिग्रही का निधन.

1998 समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल ने मिलकर लोकतांत्रिक मोर्चे का गठन किया.

ताइवान ने सीमा में घुसे चीन के लड़ाकू विमानों को खदेड़ा

ताइपे, (हि.स.)। ताइवान की सीमा में फिर से घुसे चीनी युद्धक विमानों को ताइवान ने खदेड़ दिया है।जानकारी के अनुसार चीन के 29 लड़ाकू विमान ताइवान के इलाके में दाखिल हो गए, जिसके बाद ताइवान ने अपने जेट विमानों के जरिए उन्हें खदेड़ दिया है। चीन इससे पहले भी घुसपैठ की कोशिश कर चुका है। ताइवान का दावा है कि उसने चीन के विमानों को अपने जेट विमानों से खदेड़ दिया है। माना जा रहा है कि चीन की यह हरकत पूरे इंटो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए बुरी खबर है। बता दें कि अमेरिका कई बार आशंका जता चुका है कि चीन ताइवान पर हमला कर सकता है। अमेरिका ने यह भी खुला ऐलान कर दिया है कि अगर ऐसा होता है तो वह ताइवान की मदद के लिए सेना भेजेगा। चीन की एक मानवाधिकार कार्यकर्ता ने दावा किया था कि एक ऑडियो क्लिप में चीन की गुप्त योजना कैद है। उन्होंने 57 मिनट की एक ऑडियो क्लिप जारी की थी और दावा किया था कि इसमें चीन के टॉप सैन्य अधिकारी ताइवान पर हमले की बात कर रहे हैं। हालांकि इस ऑडियो के सामने आने के बाद चीन ने इस बात से साफ इनकार कर दिया था। बताया जा रहा है कि पहली बार ऐसा हुआ था कि चीन का कोई प्लान इस तरह लीक हो गया था। इस ऑडियो के मुताबिक चीन की सेना पर्ल नदी डेल्टा के पास एक सी डिफेंस ब्रिगेड बनाना चाहती थी। इस इलाके को चीनी उद्योग का केंद्र माना जाता है। इस नदी डेल्टा में चीन के कई महत्वपूर्ण शहर हैं।

श्रीलंका के प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे ने माना- ढह चुकी है देश की अर्थव्यवस्था

कोलंबो, (हि.स.)। पिछले कई महीनों से श्रीलंका की डगमगाती अर्थव्यवस्था ढह चुकी है, अब इसकी पुष्टि श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने भी कर दी है। विक्रमसिंघे के अनुसार देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ढह गई है और अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ समझौता करना ही मात्र विकल्प है। उन्होंने कहा कि देश गंभीर आर्थिक हालात का सामना कर रहा है। प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे के अनुसार देश पेट्रोलियम, गैस, बिजली और खाद्यान्न जैसी समस्या से जूझ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विदेशी मुद्रा की कमी के चलते देश के पास अब पेट्रोलियम पदार्थ खरीदने की क्षमता नहीं है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका को अब सिर्फ नए वित्तीय उपाय और समझौते ही देश को बचा सकते हैं। वर्तमान में श्रीलंका को 6 अरब डॉलर की जरूरत है जिससे कि वह मूलभूत चीजें खरीद सके, आयात का बिल भर सके और अपनी मुद्रा को स्थिर रख सके। श्रीलंका ने आईएमएफ के साथ बातचीत शुरू कर दी है। विक्रमसिंघे ने कहा कि हमें उम्मीद है कि जुलाई के अंत तक हमारा आईएमएफ के साथ आधिकारिक समझौता हो जाएगा। इसके अलावा श्रीलंका मित्र देशों के साथ क्रेडिट ऐड कॉन्फ्रेंस का भी प्लान बना रहा है। इसमें भारत, जापान, चीन और अन्य देश शामिल हो सकते हैं। इस समय श्रीलंका के सामने अब तक का सबसे बड़ा संकट खड़ा है। एक तरफ आर्थिक संकट और दूसरी तरफ सरकार के खिलाफ प्रदर्शन की वजह से सियासी अस्थिरता भी जारी है। श्रीलंका का 250 मिलियन डॉलर से ज्यादा का रिजर्व रखने वाले हैमिल्टन रिजर्व बैंक लिमिटेड ने 25 जुलाई को न्यूयॉर्क फेडरल कोर्ट में याचिका दाखिल कर अपने मूलधन और ब्याज की पूरी वापसी की मांग की थी।

कोरोना पीड़ितों में पार्किंसन बीमारी का खतरा ज्यादा

वॉशिंगटन (ईएमएस)। कोरोना के लिए जिम्मेदार सोर्स-सीओवी-2 वायरस के कारण पार्किंसन बीमारी का खतरा बढ़ सकता है। हाल में चूहों पर किए गए अध्ययन में खुलासा हुआ है। रिसर्चर्स के अनुसार, कोविड-19 के मरीज आमतार पर सिरदर्द और अनिद्रा जैसे लक्षणों को रिपोर्ट करते हैं, जो एक वायरल इनफेक्शन में कोई नई बात नहीं है। उन्होंने बताया कि 1918 की एनफ्लुएंजा महामारी के बाद रोगियों को नामक न्यूरोलॉजिकल बीमारी के विकसित होने में करीब एक दशक का समय लगा था। स्टडी में पाया गया कि सोर्स-सीओवी-2 वायरस मस्तिष्क की संवेदनशीलता को एक इसतरह के विष के रूप में बढ़ा सकता है, जो पार्किंसन रोग में देखी गई तंत्रिका कोशिकाओं में मृत्यु का कारण बनता है। शोधकर्ता ने कहा, पार्किंसन एक दुर्लभ बीमारी है, जो 55 वर्ष से ऊपर की आबादी के दो प्रतिशत को प्रभावित करती है। बीमारी के जोखिम की आशंका बढ़ने से घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन कोविड किस तरह से हमारे मस्तिष्क पर असर डाल सकता है, इस जानना इस मायने में महत्वपूर्ण है कि हम इसी से इस बीमारी से निपटने की तैयारी कर लें। स्टडी में कहा गया है कि कोरोना चूहों के मस्तिष्क के नर्व्स सेल को उन टॉक्सिन के प्रति संवेदनीशील बना देता है जिसे पार्किंसन की बीमारी के लिए जिम्मेदार माना जाता है और जिससे दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचता है।

शोधकताओं ने पाया कि 2009 की फ्लू महामारी के कारण एच1एन1 एनफ्लुएंजा स्ट्रेन के संपर्क में आने वाले चूहे एमपीटीपी के प्रति अधिक संवेदनशील थे। एमपीटीपी एक टॉक्सिन है, जो पार्किंसन के विशिष्ट लक्षणों का कारण बनता है। पार्किंसंस बीमारी दूसरा सबसे आम न्यूरोडिजनरेटिव डिसऑर्डर है। यह एक ऐसी बीमारी है जो मनुष्य के उस हिस्से को प्रभावित करती है जो हमारे शरीर के अंगों को संचालित करता है। इसके लक्षण इतने कम होते हैं कि शुरूआत में आप इस पहचान भी नहीं सकते हैं।

अफगानिस्तान में आये भीषण भूकंप के बाद घायलों को एक हेलीकाप्टर तक पहुंचाते हुए लोग। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 24 june 2022:Layout 1 6/23/2022 9:14 PM Page 5

खतरनाक साबित हो सकती है 6 फीसद से ज्यादा महंगाई: आरबीआई मौद्रिक नीति समिति

- मई और जून, 2022 में आरबीआइ ने रेपो रेट में कुल 0.90 फीसद की वृद्धि की

नई दिल्ली (ईएमएस)। आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने कहा कि देश में 6 फीसदी से ज्यादा महंगाई खतरनाक साबित हो सकती है। मई और जून, 2022 में आरबीआइ ने रेपो रेट में कुल 0.90 फीसद की वृद्धि की है। लेकिन महंगाई का खतरा कम नहीं हुआ है। आरबीआइ के गवर्नर डॉ. शक्तिकांत दास के शब्दों में महंगाई अभी भी एक बड़ी चिंता बनी हुई है, आर्थिक गतिविधियों में सुधार तेजी से हो रहा है लेकिन अब इसमें खिंचाव आ रहा है। समिति के एक दूसरे सदस्य व आरबीआइ के डिप्टी गवर्नर डॉ. माइकल पात्रा का कहना है कि अगर महंगाई हाथ से बाहर निकलती है तो आर्थिक रिकवरी के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। उन्होंने चार कारण बताये हैं कि क्यों छह फीसद से ज्यादा महंगाई की दर भारत के लिए खतरनाक है। पहला कारण यही है कि आर्थिक विकास दर की रफ्तार को तेज करने की कोशिशों के लिए घातक है। दूसरा, कंपनियों के लिए निवेश संबंधी फैसला करना मुश्किल होगा क्योंकि उत्पादों की कीमतों को लेकर अनिश्चितता होती है। तीसरा, बैंक जमा को लेकर अनिश्चितता बढ़ती है और लोग सोना आदि में निवेश शुरू कर सकते हैं। भारत पहले ही दुनिया में सोना का दूसरा सबसे बड़ा आयातक है। चौथा, रुपया कमजोर होता है जिससे आयात महंगा हो जाता है और इसका असर महंगाई पर दोबारा से होता है।

ऐसे में आरबीआइ की कोशिश महंगाई को उसके निर्धारित बैंड के बीच रखने की हर कोशिश होनी चाहिए ताकि वर्ष 2022-23 और वर्ष 2023-24 में आर्थिक विकास दर 6-7 फीसद के बीच बनी रहे। आगे रेपो रेट में और वृद्धि संकेत आरबीआइ गवर्नर के इस बयान से मिलता है कि अभी इसकी दर महामारी शुरू होने से पहले के स्तर पर नहीं पहुंची हैं। उन्होंने आश्वस्त किया है कि ब्याज दरों में वृद्धि इस तरह से की जाएगी कि विकास की रफ्तार पर बहुत असर नहीं पड़े। पिछली बैठक में उन्होंने भी रेपो रेट में 50 आधार अंकों की वृद्धि करने की हिमायत की थी। समिति के सभी सदस्यों ने रेपो रेट में 0.50 फीसद की वृद्धि करने के प्रस्ताव का समर्थन किया था। समिति के एक अन्य सदस्य डॉ. राजीव रंजन ने महंगाई से लड़ाई में केंद्र सरकार व राज्य सरकारों को भी योगदान देने की बात कही है और इनसे अपने वित्तीय प्रबंधन को भी बेहतर करने का आग्रह किया है। केंद्र व राज्य सरकारें ज्यादा उधारी लेंगे या ज्यादा खर्च करेंगे तो उससे भी महंगाई बढ़ सकती है।

कोयला आधारित बिजली उत्पादन देश में विद्युत क्षेत्र की रीढ़: एनटीपीसी प्रमुख

नई दिल्ली (ईएमएस)। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह ने कहा कि कोयला आधारित बिजली उत्पादन देश में विद्युत आपूर्ति की रीढ़ है और यह स्थिति अगले दो-तीन दशकों तक इसी तरह बनी रहने वाली है। उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि स्वच्छ या गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भारत को कम लागत वाले वित्त पोषण पर जोर देने की जरूरत है। सिंह ने यहां ब्लूमबर्ग एनईएफ शिखर सम्मेलन में एक चर्चा के दौरान कहा कि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों को चरणबद्ध तरीके से बंद करने की बात की जगह भारत को प्रेषण योग्य नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोग कोयले के बारे में बहुत अधिक चिंतित क्यों हैं? आज हम कोयला आधारित संयंत्रों से तीन-चौथाई बिजली की आपूर्ति कर रहे हैं। ये कोयला आधारित बिजली संयंत्र की रीढ़ हैं। हमें यह देखने की जरूरत है कि कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को चरणबद्ध तरीके से बंद करने बजाय कोयला आधारित उत्पादन को कैसे कम किया जाए। सिंह ने कहा कि कोयला आधारित संयंत्रों को चरणबद्ध तरीके से बंद करने की बात जल्दबाजी होगी और कोयला आधारित बिजली दो से तीन दशकों तक रहने वाली है। भारत ने 2030 तक 5,00,000 मेगावॉट अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

देश में दस साल में हाइड्रोजन क्षेत्र में 150 अरब डॉलर निवेश संभव: आरआईएल

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के हाइड्रोजन बाजार में अपार संभावनाएं है और इस क्षेत्र में अगले दस वर्ष के दौरान 150 अरब डॉलर का निवेश आ सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की इकाई न्यू एनर्जी के अध्यक्ष कपिल माहेश्वरी ने बीएनईएफ सम्मेलन के दौरान एक बातचीत में कहा कि हाइड्रोजन उद्योग में लाखों लोगों की नौकरी देने की क्षमता है। उन्होंने हाइड्रोजन क्षेत्र में निवेश की क्षमता को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि इस क्षेत्र में अवसर है। भारत में पहले से ही 60 से 70 लाख टन हाइड्रोजन का बाजार है और यह काम नहीं है। अगले दस साल के दौरान इस क्षेत्र में 150 से 200 अरब डॉलर का निवेश आ सकता है और इससे लाखों लोगों के लिए नौकरी के अवसर पैदा होंगे।

वोडाफोन आइडिया ने 8,837 करोड़ का एजीआर बकाया भुगतान टाला

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्ज संकट का सामना कर रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने 8,837 करोड़ रुपए के अतिरिक्त समायोजित सकल राजस्व के भुगतान को टालने का फैसला किया है। यह भुगतान चार साल के लिए टाला गया है। कंपनी ने 22 जून को देर रात दी सूचना में बताया कि दूरसंचार विभाग ने 15 जून को वित्त वर्ष 2016-17 के बाद अतिरिक्त दो वित्त वर्षों के लिए समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) की मांग की है। यह मांग वैधानिक बकाए पर उच्चतम न्यायालय के आदेश के तहत शामिल नहीं थी। वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने डॉट के उक्त पत्र के अनुसार एजीआर से संबंधित बकाया राशि को चार साल की अवधि के लिए स्थगित करने के विकल्प को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी। सरकार दूरसंचार परिचालकों से उनके एजीआर के आधार पर राजस्व के अपने हिस्से की गणना करती है। वीआईएल ने कहा कि डॉट के उक्त पत्र में कंपनी को इन एजीआर से संबंधित बकाया राशि के ब्याज को इक्विटी में बदलने का विकल्प भी दिया गया है, जिसके लिए उक्त डॉट पत्र की तारीख से 90 दिनों का वक्त दिया गया है। कंपनी ने बकाया राशि के ब्याज को इक्विटी में बदलने का विकल्प चुना है। वीआईएल ने कहा कि 8,837 करोड़ रुपए की ताजा मांग में संशोधन हो सकता है और अंतिम राशि को 31 मार्च 2026 के बाद छह समान वार्षिक किस्तों में चुकाना होगा।

30 जून तक पैन-आधार लिंक नहीं कराया तो देना होगा 1,000 रुपए जुर्माना

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगर आपने पैन-आधार लिंक सरकार की गाइड लाइन के अनुसार लिंक नहीं कराया है तो आपको जुर्माना भरना पड़ सकता है। सरकार ने 30 जून तक पैन-आधार लिंक करने की अंतिम समय सीमा तय की है। दरअसल, पैन और आधार को लिंक करने की वास्तविक समय सीमा 31 मार्च, 2022 थी। इस अवधि के बाद पैन-आधार लिंक करने वालों से 500 रुपए का जुर्माना लिया जा रहा है। हालांकि, यह सुविधा भी 30 जून तक ही है। इसके बाद अगर आपने पैन-आधार लिंक कराना चाहा तो आपको 1,000 रुपए का जुर्माना देना होगा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने पिछले दिनों जारी नोटिफिकेशन में कहा था कि जिन करदाताओं ने अपना पैन-आधार अभी लिंक नहीं किया है, वे 30 जून तक 500 रुपए का जुर्माना भरकर यह काम पूरा कर सकते हैं। 1 जुलाई से 31 मार्च, 2023 तक पैन और आधार को लिंक करने के लिए 1,000 रुपए का जुर्माना देना होगा। पैन और आधार को लिंक नहीं किया तो आयकर रिटर्न भी नहीं भर सकेंगे। इससे आपका रिफंड भी अटक सकता है। आप किसी फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन में अपने पैन का इस्तेमाल भी नहीं कर सकेंगे। पैन की वैध्ता समाप्त होने की वजह से न तो आप डीमैट खाता खोल सकेंगे और न ही बैंक खाता खोल पाएंगे। इसके अलावा म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए भी खाता नहीं खोला जा सकेगा।

टाटा स्टील ब्रिटेन, नीदरलैंड्स में कम कार्बन उत्सर्जन वाली तकनीक अपनाएगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। टाटा स्टील ब्रिटेन और नीदरलैंड में इस्पात बनाने के लिए कम कार्बन उत्सर्जन वाली तकनीक का उपयोग करने की योजना बना रही है। टाटा स्टील ने अक्टूबर 2021 में टाटा स्टील यूके और टाटा स्टील नीदरलैंड्स को टाटा स्टील यूरोप से अलग दो स्वतंत्र कंपनियों के रूप में गठित करने की प्रक्रिया पूरी की थी। कंपनी के सीईओ और एमडी टीवी नरेंद्रन और कार्यकारी निदेशक और सीएफओ कौशिक चटर्जी ने कहा कि टाटा स्टील यूके और टाटा स्टील नीदरलैंड दोनों 2050 तक कॉर्बन डाई ऑक्साइड निरपेक्ष इस्पात का उत्पादन करने के लक्ष्य के लिए काम कर रही हैं। इस लक्ष्य के लिए कम कार्बन उत्सर्जन वाली तकनीक को अपनाने की विस्तृत योजना तैयार की जा रही है। अधिकारियों ने कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि टाटा स्टील नीदरलैंड में अगले 10 वर्षों के दौरान क्रमिक रूप से ब्लास्ट फर्नेस और कोयले को हटाने की योजना बना रहे हैं। इसकी जगह हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक फर्नेस पर आधारित डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) तकनीक को लाया जाएगा।

तेज इंटरनेट के लिए 5जी की ओर भागेंगे कस्टमर, पांच साल में 50 करोड़ लोग छोड़ देंगे 4जी चलाना

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में टेलीकॉम सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है. 5 जी आने के बाद यह गति और तेज हो जाने वाली है. स्वीडिश दूरसंचार उपकरण विनिमार्ता एरिक्सन की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में 5जी ग्राहकों की संख्या वर्ष 2027 के अंत तक 50 करोड़ तक पहुंच जाएगी. यह आंकड़ा कुल मोबाइल फोन उपभोक्ताओं का 39 प्रतिशत होगा. एरिक्सन मोबिलिटी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में वर्ष 2022 की दूसरी छमाही में 5जी नेटवर्क की कॉमर्शियल शुरूआत की योजना है. शुरूआती दौर में इससे मोबाइल ब्रॉडबैंड की क्षमता बढ़ने की उम्मीद है. रिपोर्ट में संभावना जताई गई है कि वर्ष 2027 के अंत तक 5जी नेटवर्क का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों की संख्या कुल मोबाइल फोन उपभोक्ताओं का 40 फीसदी से अधिक होगा. एरिक्सन के नेटवर्क विकास प्रमुख (दक्षिण-पूर्व एशिया, ओशनिया एवं भारत) थिएव सेंग एनजी ने कहा भारत क्षेत्र में कुल मोबाइल डेटा ट्रैफिक 2021 और 2027 के बीच चार गुना बढ़ने का अनुमान है. यह स्मार्टफोन उपयोगकताओं की संख्या में उच्च वृद्धि और प्रति स्मार्टफोन औसत उपयोग में वृद्धि से प्रेरित है. भारत क्षेत्र में प्रति स्मार्टफोन औसत डेटा ट्रैफिक इस समय दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है. इसके अलावा इसके वर्ष 2021 के 20 जीबी प्रति माह से बढ़कर वर्ष 2027 में लगभग 50 जीबी प्रति माह होने का अनुमान है जो 16 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि को दशार्ता है.

डीमैट अकाउंट की केवायसी कराने के लिए अब 8 दिन बचे

- बिना केवाईसी नहीं कर पाएंगे शेयर ट्रेडिंग

नई दिल्ली (ईएमएस)। शेयरों की खरीद-फरोख्त के लिए जरूरी डीमैट अकाउंट की केवाईसी कराने के अब बस 8 दिन बचे हैं। आठ दिनों में केवाईसी नहीं कराने पर आपका अकाउंट निष्क्रिय हो जाएगा। मार्केट रेगुलेटर सेबी के नए नियमों के अनुसार डीमैट अकाउंट की 30 जून 2022 तक केवायसी करनी होगी। नहीं तो आप स्टॉक मार्केट में ट्रेड नहीं कर पाएंगे। पहले डीमैट अकाउंट की केवाईसी कराने के लिए अंतिम तिथि 31 मार्च 2022 थी। बाद में इसे बढ़ाकर 31 जून कर दिया गया था। सेबी ने साफ कर दिया है कि डीमैट अकाउंट की केवाईसी के लिए 30 जून के बाद आगे और समय नहीं दिया जाएगा। केवायसी कराने के लिए डीमैट अकाउंट होल्डर्स को 6 अहम जानकारियां शेयर करनी होंगी। इनमें आपका नाम, पैन कार्ड नंबर, पता (एड्रेस), मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और आय सीमा शामिल हैं। वो निवेशक, जो कस्टोडियन सर्विसेज इस्तेमाल कर रहे हैं उनके लिए कस्टोडियन डिटेल्स देना भी जरूरी है। डीमैट अकाउंट को डीएक्टिव होने से रोकने के लिए स्टॉक ब्रोकर अपने क्लाइट्स को यानी डीमैट ट्रेडिंग अकाउंट होल्डर्स को केवायसी कराने की सलाह दे रहे हैं। लगभग सभी ब्रोकरेज हाउस ऑनलाइन केवायसी की सुविधा दे रहे हैं। इसके अलावा आप ब्रोकरेज हाउस के ऑफिस जाकर भी केवायसी करा सकते हैं।

मुनाफे की दृष्टि से मोती की खेती एक अच्छा विकल्प

- 12-14 महीने में तालाब से प्राप्त कर सकते हैं मोती, 50-60 हजार रुपए में शुरू कर सकते हैं कारोबार

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोती एक प्राकृतिक रत्न है, जो सीप से पैदा होता है। बाहरी कणों के सीप के अंदर प्रवेश करने से मोती का निर्माण होता है। लाभ की दृष्टि से यह कारोबार आपके लिए काफी अच्छा विकल्प हैबता दें कि इसकी खेती तालाब में होती है। आप तालाब खुद खुदवा सकते हैं या किसी से किराये पर ले सकते हैं। अगर आप किराये पर तालाब लेते हैं, तो 50-60 हजार रुपए में यह कारोबार शुरू कर सकते हैं। मोती की मांग घरेलू ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी हमेशा बनी रहती है । इस कारोबार में मुनाफे को देखकर कई लोग आज इसकी कृत्रिम खेती करने लगे हैं। अगर आप वैज्ञानिक तरीके से और ट्रेनिंग लेकर मोती की खेती करते हैं, तो अच्छी गुणवत्ता वाली मोती पा सकते हैं। कई संस्थान इसकी ट्रेनिंग दे रहे हैं। मोती की खेती के लिए सबसे अनुकूल समय अक्टूबर से दिसंबर तक माना जाता है। कृत्रिम मोती को आप अपनी इच्छा के अनुसार आकार, रंग-रूप दे सकते हैं। आप सरकारी संस्थानों या फिर मछुआरों से सीप खरीदकर खेती शुरू कर सकते हैं। आपको सबसे पहले सीपों को खुले पानी में 2 दिन के लिए रखना होता है।

इसके बाद में धूप और हवा लगने के बाद सीप का कवच और मांसपेशियां ढीली हो जाती हैं। मांशपेशियां ढीली होने के बाद सीप की सर्जरी कर सीप के अंदर सांचा डाला जाता है। जब यह सांचा सीप को चुभता है, तो वह इस पर अपने अंदर से निकलने वाला एक पदार्थ छोड़ता है। यही सांचा मोती का रूप ले लेता है। आप 12-14 महीने में तालाब से मोती प्राप्त कर सकते हैं। बता दें कि मोती की कीमत उसकी गुणवत्ता के हिसाब से तय होती है। बाजार में एक मोती को 120 रुपए से लेकर 200 रुपए तक बेच सकते हैं। एक एकड़ के तालाब में आप कम से कम 25000 सीपियां डाल सकते हैं। इस पर करीब 8 लाख रुपए का खर्च आता है। अगर हर एक सीप से दो मोतियां निकलती हैं, तो भी आप खर्च निकालकर लाखों रुपये की कमाई कर सकते हैं। डिजायनर मोती के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में 10,000 रुपए तक मिल सकते हैं।

दैनिक पंचांग

24 जून 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.57 बजे से
चंद्र	मेष में	सिंह	09.13 बजे से
मंगल	मीन में	कन्या	11.25 बजे से
बुध	वृष में	तुला	13.36 बजे से
गुरु	मीन में	वृश्चिक	15.51 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	18.07 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	20.12 बजे से
राहु	मेष में	कुंभ	21.58 बजे से
केतु	तुला में	मीन	23.31 बजे से
राहुकाल		मेष	01.02 बजे से
10.30 से		वृष	02.42 बजे से
12.00 बजे तक		मिथुन	04.40 बजे से

शुक्रवार 2022 वर्ष का 175 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 23.13 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 08.04 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 05.13 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** बव 10.24 बजे तदनन्तर बालव 23.13 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 25' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871289 **जूलियन दिन** 2459754.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** जिल्काद **तारीख** 24 **विशेष** योगिनी एकादशी, वीरांगना दुर्गावती बलिदान दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

पल्सर एन250 पर आधारित स्पेशल एडिशन बाइक का टीजर जारी

-बाइक के आधिकारिक नाम की अभी पुष्टि नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो ने पल्सर एन250 पर आधारित एक नई स्पेशल एडिशन बाइक का टीजर जारी किया है। हालांकि इस बजाज की बाइक के आधिकारिक नाम की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इसे पल्सर एन250 इक्लिप्स एडिशन बताया जा रहा है। सोशल मीडिया पर बाइक के टीजर के अलावा बजाज ऑटो ने नई बाइक की कोई जानकारी शेयर नहीं की है। जैसा कि फोटो में देखा जा सकता है स्पेशल वेरिएंट मॉडल पल्सर एन 250 पर बेस्ड होगा। इसमें मैकेनिकली कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि, इसे ज्यादा अट्रैक्टिव बनाने के लिए एक्सटीरियर में कई बदलाव किए जा सकते हैं। इंजन कवर, एग्जॉस्ट सिस्टम और व्हील्स जैसे सभी ब्लैक-आउट बॉडी कंपोनेंट्स के साथ आ सकते हैं। बाहरी रंग योजना में बदलाव के अलावा बाइक की बाकी डिटेल समान रहने की उम्मीद है। इसमें मौजूदा बाइक की तरह ऑयल-कूल्ड 249.07 सीसी इंजन मिलेगा, जो 24.5 पीएस की अधिकतम शक्ति और 21.5 एनएम पीक टॉर्क जनरेट कर सकता है। ट्रांसमिशन भी वही पांच-स्पीड गियरबॉक्स रहने की संभावना है। बाइक की कुछ प्रमुख विशेषताओं में असिस्ट और स्लिपर क्लच, गियर इंडिकेटर, यूएसबी मोबाइल चार्जिंग पोर्ट आदि शामिल हो सकते हैं। बजाज की पल्सर रेंज कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक है। पल्सर रेंज की मई 2022 में 69,241 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो पिछले महीने (46,040 यूनिट) की तुलना में 50 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ती है। बजाज की पल्सर रेंज में वर्तमान में पल्सर 125, पल्सर 150, एनएस125, एनएस160, एनएस200, आरएस200, एन250 और एफ 250 मॉडल शामिल हैं और इनकी कीमत 88,902 रुपये से 1,44,979 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) के बीच है।नई बाइक की कीमत की बात करें तो इसकी कीमत स्टैंडर्ड पल्सर एन 250 से अधिक हो सकती है और कंपनी स्पेशलिटी बनाए रखने के लिए इसे सीमित संख्या में भी उपलब्ध करा सकती है। इस महीने के अंत में बाइक के बारे में और जानकारी मिलने की उम्मीद है।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, आषाढ कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे तथा शुक्रोदय पूर्वे तिथि एकादशी, शुक्रवासरे, अश्वनी नक्षत्रे, अति गंड योगे, वव करणे, मेष की चंद्रमा, योगिनी एकादशी क्रत, मूल समाप्त दिन 10/51 सर्वाथ सिद्धयोग, जातकर्म, नामाकरण, व्यापार मुर्हूत तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, बुद्धिमान, दार्शनिक, कम्प्यूटर इंजीनियर, प्रोफेसर, प्रिंसपल, धनी-मानी, ज्ञानी, उत्तम वृत्ति वाला, बैंक कर्मचारी, लिपिक, लेखापाल, अकाउंटेंट, कैशियर, कर्मचारी होगा।

मेष राशि :- यात्रा वृत्ति से लाभ, कुसंग से हानि, गृह कलह तथा मानसिक अशांति अवश्य ही बनेगी।
वृष राशि :- आर्थिक व्यय, स्वजन कष्ट, विवाद, अस्थिर व अशांति का वातावरण बना ही रहेगा।
मिथुन राशि :- शुभ कार्य, भूमि से हानि, कार्य सिद्धी, लॉटरी-सट्टा से हानि की संभावना बनी रहेगी।
कर्क राशि :- धन हानि, रोगभय, नौकरी में चिन्ता, राजकार्य, गृहकार्य में व्यवस्था बनी रहेगी।
सिंह राशि :- कार्य में निराशा, खेती से लाभ तथा शत्रु-भय, उद्योग-व्य वसाय से लाभ होगा।
कन्या राशि :- शरीर कष्ट, राजलाभ, व्यय-भार बढ़ेगा, दाम्पत्य जीवन असमंजसपूर्ण रहेगा, ध्यान रखें।
तुला राशि :- चोटाग्नि भय, धार्मिक कार्य कष्ट, व्यापार में उलझन की स्थिति बनी रहेगी।
वृश्चिक राशि :- बाधा, आरोप, धन लाभ, यात्रा-कष्ट, गृहकार्य, राजकार्य में रुकावट की स्थिति बनेगी।
धनु राशि :- रोग-भय, मुकदमे में जीत, मानसिक परेशानी, अपवाद तथा व्यर्थ उलझन बढ़ेंगी।
मकर राशि :- व्यापार में लाभ, शत्रु-भय, धन सुख, कार्यों में सफलता का योग, रुके कार्य बनेंगे।

DELHI CRIME 24 june 2022:Layout 1 6/23/2022 9:14 PM Page 6

ऑकलैंड क्रिकेट टीम के प्रदर्शन और प्रतिभा कोच बने ल्यूक राइट

ऑकलैंड, (हि.स.)। ऑकलैंड क्रिकेट (एसीईएस) ने गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाड़ी ल्यूक राइट को टीम के प्रदर्शन और प्रतिभा कोच के रूप में नियुक्त किया है। ऑकलैंड क्रिकेट की ओर से एक आधिकारिक बयान में कहा गया, "इंग्लैंड के घरेलू टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और आईसीसी टी20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य ल्यूक राइट नए प्रदर्शन और प्रतिभा कोच के रूप में ऑकलैंड लौट आए हैं।" राइट ने पहले 2013/14 सुपर स्मैश सीजन के दौरान एसीईएस के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इसके अलावा वह मेलबर्न स्टार्स (बीबीएल), राजशाही किंग्स (बीपीएल), ग्वेर्नसे टी20 टीम के सहायक कोच भी रह चुके हैं। इसके अलावा वह इंग्लैंड की बधिर टीम और साउदर्न वाइपर को भी कोचिंग दिया है।

प्रदर्शन और प्रतिभा के निदेशक, डैनियल आर्चर ल्यूक राइट की नियुक्ति की घोषणा करते हुए प्रसन्न हैं। उन्होंने कहा, "हम इस प्रमुख पूर्णकालिक नियुक्ति में ल्यूक राइट को अपनी नई लुक वाली कोचिंग टीम में शामिल करने के लिए उत्साहित हैं। ल्यूक के पास क्रिकेट ज्ञान और कोचिंग के अनुभव का खजाना है।" राइट आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड दौरों के लिए न्यूजीलैंड के कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे। ऑकलैंड क्रिकेट के साथ उनका काम सितंबर की शुरूआत में शुरू होगा।

ऋषभ पंत पारी की शुरूआत करें : बांगड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने कहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत सीमित ओवरों के प्रारुप में भारतीय टीम के लिए वही भूमिका निभा सकते हैं जो कभी विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ऑस्ट्रेलिया के लिए निभाया करते थे। बांगड़ ने कहा कि ऋषभ को पारी की शुरूआत करनी चाहिये। साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में भले ही वह असफल रहे हों पर पारी शुरू करने के बाद बेहतर होकर सामने आयेंगे। बांगड़ ने कहा, सचिन तेंदुलकर की बल्लेबाजी पारी शुरू करने के बाद ही बेहतर हुई थी। ऐसा ही इस विकेटकीपर बल्लेबाज के साथ भी होगा। साथ ही कहा कि यदि उसे शीर्ष क्रम में अवसर दिया जाये तो वह उसी प्रकार की भूमिका निभा सकते हैं जो गिलक्रिस्ट ऑस्ट्रेलिया के लिए छोटे प्रारूपों में निभाते थे। ऋषभ को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में कई बार बाहर जाती गेंदों को खेलने के प्रयास में विकट खोना पड़ा था। इसको लेकर महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था कि वह उन गेंदों को छोड़ सकते थे। बांगड़ ने कहा, मैं पिछले तीन साल से इसके बारे में सोच रहा हूं यदि आप सचिन के करियर को देखें तो, उन्होंने अपनी पहली सेंचुरी 75वीं या 76वीं पारी में लगाई थी। तब उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ मध्यक्रम से टॉप ऑर्डर में भेजा गया था। इस समय भारतीय टीम बाएं-दांए हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन देख रही है। यह सही है कि युवा इशान किशन अच्छा कर रहे हैं लेकिन यदि आप लंबे समय के लिए देखना चाहते हैं तो ऋषभ ही गिलक्रिस्ट की तरह खेल सकते हैं. ऋषभ इस समय भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड में हैं, जहां टीम इंडिया 1 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेलेगी

एशियन ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप का आखिरी दिन रोनाल्डो सिंह के नाम

रोनाल्डो ने सीनियर वर्ग के स्प्रिंट इवेंट में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए जीता रजत

नई दिल्ली, (हि.स.)। एशियन ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप 2022 का आखिरी दिन भारत के रोनाल्डो सिंह के नाम रहा, जिन्होंने सीनियर वर्ग के स्प्रिंट इवेंट में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। चैंपियनशिप में यह उनका तीसरा पदक था। इससे पहले, उन्होंने 1 किमी टाइम ट्रायल और टीम स्प्रिंट स्पधाओं में कांस्य पदक जीता था। बुधवार को उन्होंने जापान के अनुभवी राइडर केंटो यामासाकी को कड़ी टक्कर दी। यामासाकी ने रोनाल्डो को बैक-टू-बैक दो रेसों में हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा में कजाकिस्तान के एंड्री चुगे ने कांस्य पदक जीता। अपने जन्मदिन पर रजत पदक जीतने के बाद रोनाल्डो ने कहा, "मेरा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना था, लेकिन मैं पहली बार रजत पदक पाकर खुश हूं, यह मेरे करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है और हर टूनार्मेंट में मैंने अपनी तकनीक में सुधार किया है, यह सबसे महत्वपूर्ण है और अपने परिवार के आशीर्वाद से मैंने इसे हासिल किया है।" यहां आईजीआई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 41वीं सीनियर और 28वीं जूनियर एशियन ट्रैक और 10वीं पैरा ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप में जापान ने 18 स्वर्ण, 7 रजत और 2 कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। कोरिया 12 स्वर्ण, 14 रजत और 3 कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कजाकिस्तान ने 4 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं, भारतीय साइक्लिंग टीम ने चैंपियनशिप में 2 स्वर्ण, 6 रजत और 15 कांस्य सहित 23 पदक जीतकर अपने अभियान का समापन किया, जो किसी भी भारतीय साइकिलिंग दल का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

अब गोल्फ खेलते नजर आयेंगे युवराज

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह अब गोल्फ कोर्स में नजर आयेंगे। बाएं हाथ के इस पूर्व आक्रामक बल्लेबाज को आइकन सीरीज के लिए 24 सेलिब्रेटीज में शामिल किया गया है। इस सीरीज का आयोजन न्यूयॉर्क के लिबर्टी नेशनल गोल्फ कोर्स में 20 जून से एक जुलाई तक किया जाएगा। इस सीरीज को लेकर युवराज ने कहा, मैं आइकन सीरीज में शेष विश्व टीम में भारत की ओर से भाग लेने को लेकर उत्साहित हूं। हमारे टीम में एबी डिविलियर्स, रिकी पोंटिंग और ब्रायन लारा जैसे क्रिकेटर भी है, इसलिए में इसमें खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। गौरतब है कि युवराज को शेष विश्व टीम में रखा गया है जिसकी कप्तान एर्नी एल्स के पास है। युवराज के अलावा इस टीम में पोंटिंग, डिविलियर्स, ब्रायन लारा और टेनिस स्टार एश्ले बार्टी व मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गुआर्डियोला भी शामिल हैं। शेष विश्व टीम का मुकाबला इसमें फ्रेड कपल्स की कप्तानी वाली अमेरिकी टीम से होगा। इस टीम में स्टार तैराक माइकल फेल्प्स और एनएफल के पूर्व खिलाड़ी बेन रोएथलिसबर्गर भी शामिल हैं।

लंकाशर की ओर से खेलेंगे सुंदर, चाहर अभी तक नहीं हुए फिट

बेंगलुरू (ईएमएस)। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर दीपक चाहर अभी तक हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों में खिंचाव) से नहीं उबर पाये हैं। वह इस चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) भी नहीं खेल पाये थे। वहीं स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर अपने हाथ की चोट से उबर रहे हैं। अभी ये दोनो खिलाड़ी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं। सुंदर इंग्लैंड की काउंटी टीम लंकाशर से खेलने के लिए इंग्लैंड जाने वाले हैं। बीसीसीआई की ओर से कहा गया, सुंदर तरह से फिटनेस हासिल करने के करीब है और अब उन्हें लय हासिल करनी है। इसके लिए वह काउंटी क्रिकेट खेलेंगे। वहीं कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के दौरान चोटिल होने वाले चाहर एनसीए में अपने सुबह के सत्र के दौरान अच्छी स्थिति में नजर आये। उन्होंने अपने रिहैब सत्र के बाद कहा, मैं अपने रिहैब कार्यक्रम के अनुसार अभी एक बार में चार से पांच ओवर गेंदबाजी अभ्यास कर रहा हूं। मुझे अभी मैच के लिए जरूरी फिटनेस हासिल करने में चार से पांच सप्ताह और लगेंगे। राजस्थान के इस तेज गेंदबाज ने कहा है कि जुलाई के दूसरे सप्ताह में जब भारत इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगा तब तक उनका फिट होना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा, जहां तक रिकवरी का सवाल है, यह एक कदम दर कदम प्रक्रिया है। मुझे नहीं लगता कि मैं इंग्लैंड के खिलाफ टी20 तक फिट हो पाऊंगा। एक बार जब मैं मैच फिट हो जाता हूं, तो मुझे अपनी फिटनेस की जांच के लिए कुछ क्लब स्तर के मैच खेलने होंगे। चाहर हालांकि यहां बल्लेबाजी अभ्यास के दौरान सहज दिखे। उन्हें उम्मीद है कि वह वेस्टइंडीज दौरे से पहले फिटनेस हासिल कर लेंगे।

काशी में बने अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम

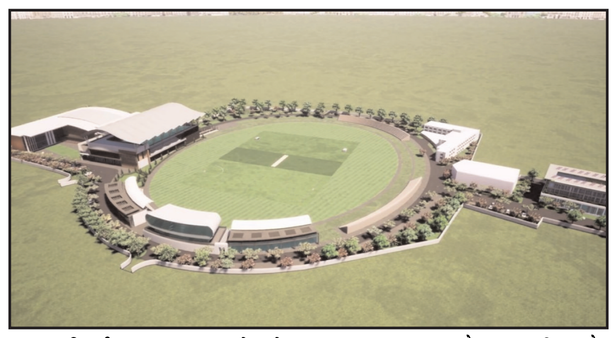

वाराणसी (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम बनने जा रहा है। 87 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम को हाईटेक बनाने की योजना वाराणसी स्मार्ट सिटी ने तैयार की है। इस मल्टीलेवल इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैच होंगे। इसमें 20 से अधिक इंडोर गेम के लिए कोर्ट बनाया जाएगा। सम्भावना जताई जा रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही इसकी आधारशिला रख सकते हैं। उसके बाद इसके निर्माण का काम भी शुरू हो जाएगा। वाराणसी स्मार्ट सिटी ने इसका पूरा खाका तैयार कर लिया है। इस स्पोर्ट्स स्टेडियम को पैरा स्पोर्ट्स के मानकों को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा। कई चरणों में इसके विकास का काम होगा और काम पूरा होने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल भी यहां हो सकेंगे। ग्राउंड फ्लोर के अलावा दो फ्लोर का मुख्य भवन होगा। स्टेडियम के विकास के बाद यहां बास्केटबॉल, हैंडबॉल, टेबल टेनिस, वालीवॉल, बैडमिंटन, वेटलिफ्टिंग, कॉम्बैट स्पोर्ट्स के अलावा स्विमिंग पूल, जिम, स्पा, योगा सेंटर जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं इस मल्टीलेवल स्पोर्ट्स स्टेडियम में खिलाड़ियों को मिलेंगी।

मेलबर्न रेनगेड्स से अलग हुए जेम्स पैटिनसन

मेलबर्न, (हि.स.)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स पैटिनसन ने मेलबर्न रेनगेड्स के साथ अपने तीन साल के अनुबंध को समाप्त कर दिया है। पैटिनसन ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2021-22 सीजन में छह मैच खेले, जहां उन्होंने उस समय कोविड प्रतिबंधों की चुनौती के बीच चोटों के प्रबंधन के कारण अपने सीजन को जल्दी समाप्त करने से पहले सिर्फ तीन विकेट लिए। पैटिनसन ने कहा,"दुर्भाग्य से मैं केवल अपने राज्य और विदेशी क्रिकेट प्रतिबद्धताओं को देखते हुए सीजन के कुछ हिस्से के लिए प्रतिबद्ध था। मुझे अपने शरीर को आराम देने के लिए दिसंबर में एक ब्रेक लेने की आवश्यकता होगी और परिवार के साथ क्रिसमस की अवधि भी बिताना होगा। मैं रेनगेड्स को सीजन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।"

रेनगेड्स के महाप्रबंधक, जेम्स रोसेनगार्टन ने कहा, "हम एक रेनगेड के रूप में उनके प्रयासों के लिए जेम्स को धन्यवाद देना चाहते हैं। हम उनकी काउंटी और राज्य क्रिकेट प्रतिबद्धताओं को प्राथमिकता देने के साथ उनकी स्थिति को समझते हैं और हमारे साथ आगे रहने के लिए उनकी सराहना करते हैं।" रेनगेड्स 2018-19 में अपनी खिताबी सफलता के बाद पिछले तीन सीजन में निचले पायदान पर रहा है।

एमओसी ने अमेरिका में बजरंग पुनिया के प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता को दी मंजूरी

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने अमेरिका में ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया के 35 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के लिए वित्तीय सहायता को मंजूरी दे दी है। मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) 25 जून से 30 जुलाई (35 दिन) तक मिशिगन, यूएसए में बजरंग की यात्रा, बोर्डिंग और प्रशिक्षण शिविर की दैनिक लागतों को वित्तपोषित करेगी और उनके निजी कोच और फिजियोथेरेपिस्ट के खर्चों को भी कवर करेगी। यूएसए में प्रशिक्षण का समय बजरंग को आगामी राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व चैंपियनशिप के लिए तैयार करने में मदद करेगा। बैठक के दौरान, एमओसी ने टॉप्स डेवलपमेंट साइकिलिस्ट रोनाल्डो सिंह और डेविड बेकहम के लिए दो T20 प्रोटेम लुक ळळ ट्रैक बाइक की खरीद के लिए वित्तीय सहायता को भी मंजूरी दी। T20 बाइक नई टॉप-ऑफ-द-रेंज ट्रैक बाइक हैं जिनका उपयोग टोक्यो ओलंपिक में फ्रांसीसी राष्ट्रीय टीम द्वारा भी किया गया था। कहा जाता है कि बाइक अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में हल्की, सख्त और वायुगतिकीय रूप से अधिक कुशल है। उल्लेखित बाइक इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एथलीटों को तैयार करने में भी मदद करेंगी। उपरोक्त के अलावा, एमओसी ने दूसरे टॉप्स एथलीटों के लिए वित्तीय सहायता को भी मंजूरी दी। टेबल टेनिस खिलाड़ी शरथ कमल को सपोर्ट स्टाफ की फीस, फिटनेस ट्रेनिंग, फिजियोथेरेपी, रिहैब और फिटनेस टेस्टिंग और न्यूट्रिशनिस्ट फीस के लिए वित्तीय सहायता मिली। निशानेबाज अनीश को 20 दिनों के लिए शूटिंग स्पोर्ट्स सेंटर, जर्मनी में विदेशी प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के लिए टॉप्स के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की गई। अनीश जर्मनी में पिस्टल कोच राल्फ शुमान से प्रशिक्षण लेना चाहते हैं और आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारी करना चाहते हैं।

महिला फुटबॉल टूर्नामेंट : इटली ने भारतीय अंडर -17 टीम को 7-0 से हराया

रोम, (हि.स.)। भारतीय अंडर -17 महिला टीम को बुधवार को महिला फुटबॉल टूर्नामेंट में ग्रैंडिस्को डी'सोंजो स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इटली के खिलाफ 0-7 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में इटली ने बेहतरीन शुरूआत की, जिसका फायदा भी उन्हें मिला। इटली को चौथे मिनट में ही फ्री किक मिली। हालांकि बीट्राइस उसे नेट में नहीं मार पाईं। मैच के 11वें मिनट में मारिया रॉसी ने गोल कर इटली को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अन्ना लोंगोबार्डी और गिउला ड्रैगनी ने क्रमशः 31वें और 33वें मिनट में गोल कर भारत को 3-0 से आगे कर दिया। मध्यांतर तक भारतीय टीम 3-0 से पीछे रही। इटली ने दूसरे हाफ में ठीक वहीं से शुरूआत की, जहां पहले हाफ में छोड़ा था, मैच के 48वें मिनट में मैनुएला साइनाबिका ने गोल कर अपनी टीम को 4-0 से आगे कर दिया। इटली टीम दूसरे हाफ के 15 मिनट के भीतर अपनी बढ़त 6-0 कर ली। मार्ता जांबोमी ने 67वें मिनट में खेल का अंतिम गोल किया और इटली की बढ़त 7-0 कर दी और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

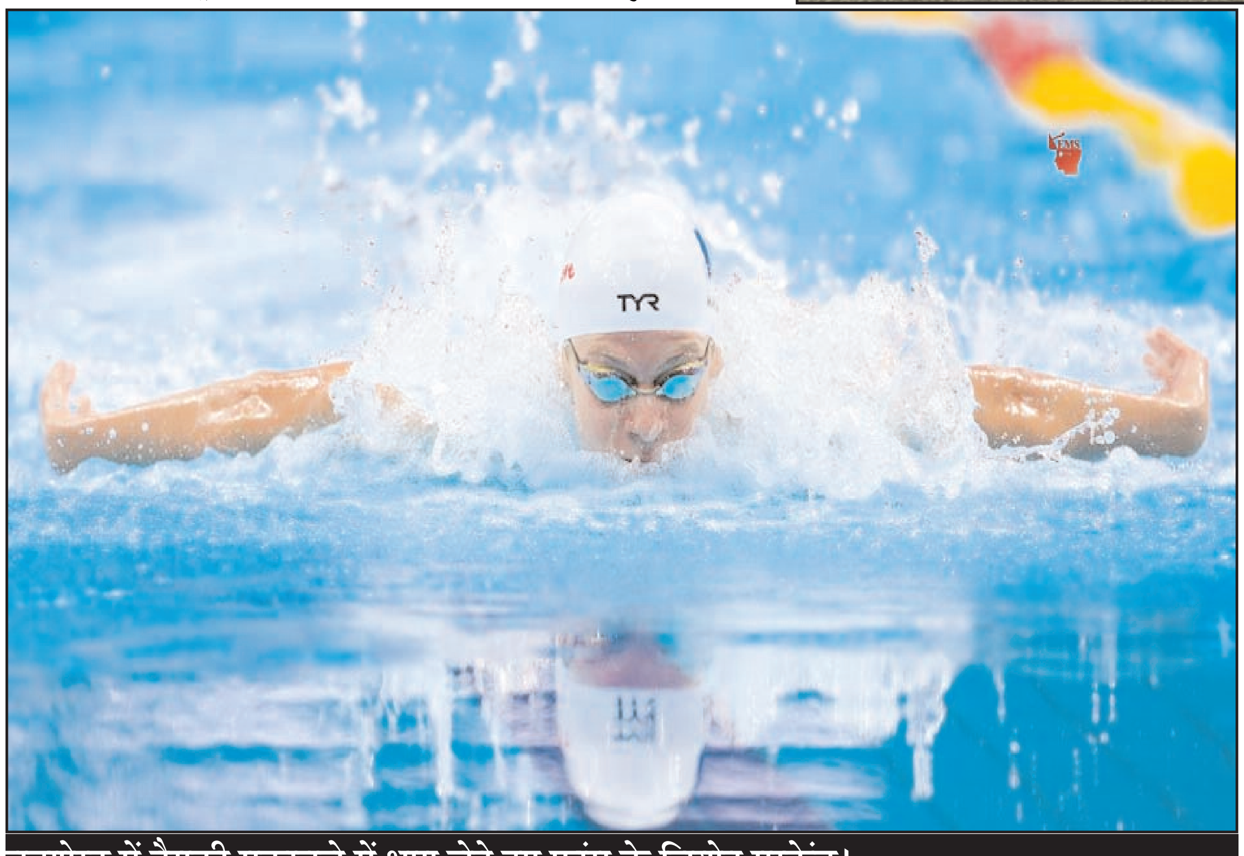

बुडापेस्ट में तैराकी मुकाबले में भाग लेते हुए फ्रांस के लियोन मरकेंड।

(फोटो-ईएमएस)

ओडिशा सरकार ने अल्टीमेट खो-खो लीग की एक टीम का लिया स्वामित्व

भुवनेश्वर, (हि.स.)। ओडिशा सरकार ने जल्द ही लॉन्च होने वाले अल्टीमेट खो-खो (यूकेके) लीग को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के लिए एक टीम का स्वामित्व ले लिया है। यह ओडिशा सरकार के पास दूसरे खेल का स्वामित्व होगा, इससे पहले ओडिशा सरकार ने 2013 में हॉकी इंडिया लीग की टीम कलिंगा लांसर्स का भी स्वामित्व लिया था। यह घोषणा ओडिशा द्वारा खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 के दौरान खो-खो में लड़कों और लड़कियों दोनों श्रेणियों में रजत पदक जीतने के कुछ दिनों बाद हुई है। ओडिशा स्पोर्ट्स डेवलपमेंट एंड प्रमोशन कंपनी के स्वामित्व वाली टीम लीग की पांचवीं फ्रेंचाइजी होगी। खेल और युवा सेवा मंत्री तुषारकांति बेहरा ने एक बयान में कहा, "खो खो ओडिशा के कई हिस्सों में बहुत लोकप्रिय है। हाल ही में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में, हमारे लड़कों और लड़कियों ने अच्छा खेला और रजत पदक जीते। चूंकि यह एक पारंपरिक खेल है, इसलिए हमारे पास इसे राज्य में और विकसित करने की बहुत बड़ी गुंजाइश है। इसलिए, हमने खो-खो लीग में भाग लेने का फैसला किया है। यह ओडिशा में खेल के लिए हमारे मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के दृष्टिकोण का हिस्सा है।" पिछले दशक में, नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली सरकार ने न केवल देश में कुछ प्रमुख खेल आयोजनों की मेजबानी की है, बल्कि एक विश्व स्तरीय बहु-खेल बुनियादी ढांचा भी विकसित किया है।

ओएसडीपीसी अग्रणी इस्पात निमार्ता आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया लिमिटेड (एएम/एनएस इंडिया) के साथ सहयोग कर रही है और अल्टीमेट खो-खो में मिलकर काम करेगी। अल्टीमेट खो खो के सीईओ तेनजिंग नियोगी ने कहा, "खेल ओडिशा भारत की खेल क्रांति में प्रमुख कारकों में से एक रहा है। एक खेल को विकसित करने के लिए उनका केंद्रित दृष्टिकोण प्रभावशाली रहा है। उन्होंने एक ऐसा वातावरण बनाया है जिसने जमीनी स्तर पर विकास और भविष्य के चैंपियन के लिए पहुंच बनाने के लिए कई कॉर्पोरेट निवेशों को प्रोत्साहित किया है। और अब अल्टीमेट खो खो के साथ उनका जुड़ाव, खेल के विकास के लिए एक बड़ा संकेत है।" अल्टीमेट खो खो ने इससे पहले चार फ्रेंचाइजी की घोषणा की थी। कॉरपोरेट दिग्गज अदानी ग्रुप और जीएमआर ग्रुप ने गुजरात और तेलंगाना फ्रेंचाइजी हासिल की, जबकि कैपरी ग्लोबल और केएलओ स्पोर्ट्स क्रमशः राजस्थान और चेन्नई टीमों के मालिक हैं।

DELHI CRIME 24 june 2022:Layout 1 6/23/2022 9:14 PM Page 7

राष्ट्रपति चुनावः राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू पहुंची दिल्ली, आज करेंगी नामांकन

- जगन्नाथ सरका और तुकुनी साहू ने मुर्मू के नामांकन पत्र पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू गुरूवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंच गईं। वह शुक्रवार, 24 जून को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। उनके नामांकन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुर्मू का यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन मुंडा, अर्जुन राम मेघवाल, डॉ. वीरेंद्र कुमार और भाजपा नेता मनोज तिवारी, रामबीर सिंह बिधूड़ी, रमेश बिधूड़ी, भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता समेत तमाम नेताओं ने स्वागत किया। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार घोषित होने के बाद मुर्मू पहली बार राष्ट्रीय राजधानी पहुंची हैं। मुर्मू शुक्रवार को अपना नामांकन दाखिल करेंगी। बीजू जनता दल (बीजद) प्रमुख और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निर्देश पर राज्य सरकार के दो कैबिनेट मंत्री प्रस्तावक बने। कैबिनेट मंत्री जगन्नाथ सरका और टुकुनी साहू ने आज यहां मुर्मू के नामांकन पत्र पर बतौर प्रस्तावक हस्ताक्षर किये। इससे पहले आज सुबह भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से बात की थी। तत्पश्चात, पटनायक ने ट्वीट करके कहा कि मुर्मू के नामांकन में राज्य के दो मंत्री जगन्नाथ सारका व टुकुनी साहू प्रस्तावक रहेंगे। जिसके बाद ओडिशा के दोनों मंत्रियों ने आज दिल्ली में नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर किये। दोनों मंत्री शुक्रवार को मूर्मू के नामांकन के दौरान भी उपस्थित रहेंगे।

हालांकि, पटनायक इस समय इटली के दौरे पर हैं लेकिन उन्होंने इससे पहले भी राज्य के सभी विधायकों से पार्टी लाइन से ऊपर उठकर राष्ट्रपति चुनाव में राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करने की अपील की थी। राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद मुर्मू पहली ऐसी आदिवासी महिला होगी जो देश के सर्वोच्च पद पर आसान होंगी। वह इससे पहले झारखंड की राज्यपाल रह चुकी हैं। वह ओडिशा विधानसभा की सदस्य व मंत्री भी रही हैं।

द्रौपदी मुर्मू के नामांकन में ओडिशा के दो मंत्री प्रस्तावक रहेंगे - राष्ट्रपति चुनाव के लिए राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के नामांकन में ओडिशा के दो मंत्री प्रस्तावक रहेंगे। इस बावत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से बात की। इसके बाद पटनायक ने ट्वीट करके कहा कि मुर्मू के नामांकन में राज्य के दो मंत्री जगन्नाथ सारका व टुकुनी साहू प्रस्तावक रहेंगे। दोनों मंत्री आज नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर करेंगे और शुक्रवार को नामांकन के दौरान उपस्थित रहेंगे। हालांकि, पटनायक इस समय इटली के दौरे पर हैं लेकिन उन्होंने इससे पहले भी राज्य के सभी विधायकों से पार्टी लाइन से ऊपर उठकर राष्ट्रपति चुनाव में राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करने की अपील की थी।

भारतीय विमानों पर लिखे कॉल साइन कोड 'वीटी' को बदलने की मांग, हाई कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर भारतीय विमानों पर लिखे गए कॉल साइन कोड 'वीटी' को बदलने की मांग की गई है। याचिका वकील और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि कोड 'वीटी' विक्टोरियन टेरिटरी और वायसराय टेरिटरी (ब्रिटिश राज की विरासत) से संबंधित है। यह कोड देश की संप्रभुता, कानून के शासन और संविधान की धारा 14, 19 और 21 का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि कोड 'वीटी' एक राष्ट्रीयता कोड है, जिसे भारत में रजिस्टर्ड हर विमान को ले जाना जरूरी है। कोड आमतौर पर विमान के पीछे के निकास द्वार के ठीक पहले और खिड़कियों के ऊपर देखा जाता है। याचिका में कहा गया है कि ब्रिटेन में 1929 में सभी उपनिवेशों के लिए कोड 'वीटी' निर्धारित किया गया था। हालांकि चीन, पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका जैसे देशों ने स्वतंत्रता के बाद अपने कॉल साइन कोड को बदल दिया जबकि भारत में 93 साल बाद भी विमान पर यही कोड बना हुआ है। ऐसा होना देश की संप्रभुता का उल्लंघन है। इस कोड का प्रयोग यह दशार्ता है कि हम अभी भी विक्टोरियन टेरिटरी और वायसराय टेरिटरी हैं। सरकार इसे बदलने या आजादी के 75 साल बाद भी प्रयास करने से इनकार करती है। ये कोड हमारे देश के लिए शर्म की बात है।

बहुआयामी प्रतिभा के मालिक थे मुखर्जीः नड्डा

नई दिल्ली, (हि. स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए कहा कि वे बहुआयामी प्रतिभा के मालिक थे।

भाजपा मुख्यालय में मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद नड्डा ने कहा कि आज भाजपा के लाखों कार्यकर्ता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को उनके बलिदान दिवस पर देश भर में भावभीनी श्रद्धांजलि दे रहे हैं। मैं अपनी और सभी कार्यकताओं की तरफ से उनको श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को काल ने 1953 में आज ही के दिन हमसे छीन लिया था। हम सभी ये भी जानते हैं कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बहुत ही बहुआयामी प्रतिभा के मालिक थे और उनकी प्रतिभा से हम सभी लोग भली-भांति परिचित थे। उल्लेखनीय है कि मुखर्जी का 23 जून 1953 को संदिग्ध परिस्थितियों में निधन हो गया था।

नवाब मलिक व सत्येंद्र जैन को पद से हटाने की मांग वाली याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग

नई दिल्ली, (हि.स.)। वकील और बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय ने जेल में बंद महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मालिक और दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन को पद से हटाने की मांग पर जल्द सुनवाई की मांग की। अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि मलिक करीब चार महीने और सत्येंद्र जैन 30 दिनों से जेल में हैं। कोर्ट ने अश्विनी उपाध्याय को रजिस्ट्रार के सामने जल्द सुनवाई की मांग करने का निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि दो दिन से अधिक न्यायिक हिरासत में रहने पर जज, आईएएस, आईपीएस अस्थायी रूप से पद से हटा दिए जाते हैं। लेकिन लंबे अरसे से बंद मंत्री पद पर बने हुए हैं। याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट लॉ कमीशन को निर्देश दे कि वो विकासशील देशों के कानूनों की पड़ताल करे ताकि संविधान की धारा 14 के मुताबिक मंत्रियों, विधायकों और लोकसेवकों की गरिमा बनाये रखी जा सके। याचिका में कहा गया है कि मंत्री भारतीय दंड संहिता की धारा 21 और भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 2(सी) के तहत न केवल एक लोकसेवक होता है बल्कि वो संविधान की अनुसूची 3 के तहत मंत्री पद का पवित्र शपथ लेता है। मंत्री को सैलरी मिलती है, मुफ्त रेल टिकट, मुफ्त हवाई टिकट और उसे आईएएस, आईपीएस और जजों की तरह जीवन भर कई सारे भत्ते और सुविधाएं मिलती हैं। ऐसे में एक मंत्री आईएएस, आईपीएस और जजों की तरह का पूरा वेतन पानेवाला लोकसेवक हैं। लेकिन नवाब मलिक और सत्येंद्र जैन लंबे समय से न्यायिक हिरासत में रहने के बावजूद संवैधानिक पदों पर हैं।

मुखर्जी के सर्वोच्च बलिदान के लिए हर भारतवासी ऋणी : शाह

नई दिल्ली, (हि. स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए हर भारतवासी ऋणी है। शाह ने ट्वीट कर कहा,"डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का जीवन राष्ट्र एकता,सांस्कृतिक समर्पण, शिक्षा व विकास के नवीन विचारों का अद्भुत संगम था। बंगाल की रक्षा हेतु संघर्ष व कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए हर भारतवासी ऋणी है।" उन्होंने कहा ," डॉ. मुखर्जी जी की विद्वता और ज्ञान सम्पदा का लोहा उनके राजनीतिक विरोधी भी मानते थे। वो जानते थे कि उस समय की सरकार जिन विचारों और नीतियों पर चल रही थी उससे देश की समस्याओं का निराकरण सम्भव नहीं होगा। इसलिए उन्होंने राष्ट्रहित में सत्ता सुख को त्याग लंबे संघर्ष का जटिल मार्ग चुना।" गृह मंत्री ने कहा,"डॉ.मुखर्जी का मानना था कि एक राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य उसकी अपनी मूल संस्कृति और चिंतन की मजबूत नींव पर ही संभव है। इसीलिए उन्होंने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण व वैकल्पिक राजनीतिक सोच देश के सामने रखी। उनके वही विचार आज देश को हर क्षेत्र में आगे ले जा रहे हैं।" उल्लेखनीय है कि मुखर्जी का 23 जून 1953 को संदिग्ध परिस्थितियों में निधन हो गया था।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के विरुद्ध मामला दर्ज, कोरोना नियमों के उल्लंघन का आरोप

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ मुंबई के मालाबार हिल पुलिस स्टेशन में भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव तेजिंदर पाल सिंह बग्गा ने कोरोना नियमों के उल्लंघन का मामला दर्ज करवाया है। तेजिंदर पाल सिंह बग्गा ने बीती रात आनलाइन दर्ज शिकायत में कहा है कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। फेसबुक लाइव के जरिए जनता से बातचीत करते हुए भी मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह कोरोना से परेशान हैं। इसके बावजूद मुख्यमंत्री ने कई शिवसैनिकों से मुलाकात की। कोरोना नियमों के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति कोरोना संक्रमित है तो वह किसी से मिल नहीं देख सकता। मरीज को आइसोलेशन में रहना पड़ता है। खबरों में देखा जा रहा है कि मुख्यमंत्री सभी से मिल रहे हैं। इसी आधार पर तेजिंदर पाल सिंह बग्गा ने मालाबार पुलिस स्टेशन में आनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। उल्लेखनीय है कि कल रात में 9 बजकर 47 मिनट पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सरकारी आवास खाली कर दिया था। सरकारी आवास छोड़ते समय मालाबार स्थित वर्षा बंगले के बाहर भारी भीड़ थी। मुख्यमंत्री यहां सभी से मिले। इसके बाद मुख्यमंत्री मालाबार हिल से बांद्रा स्थित अपने निजी आवास मातोश्री बंगले तक खुद की कार से सफर किया था। इस सफर में जगह-जगह मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया था। मातोश्री बंगले पर पहुंचने के बाद वहां भारी भीड़ ने उनका स्वागत किया था।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने छोड़ा सरकारी आवास - मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार रात 9 बजकर 47 मिनट पर सरकारी आवास वर्षा बंगला खाली कर दिया है और बांद्रा स्थित अपने निजी आवास मातोश्री बंगले पर पहुंचे हैं। वर्षा बंगले से मातोश्री बंगले के बीच की 11 किलोमीटर की दूरी तय करने में मुख्यमंत्री को 57 मिनट का समय लगा। इस बीच मुख्यमंत्री का जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाते हुए स्वागत किया और मुख्यमंत्री के समर्थन में नारे भी लगाए। मुख्यमंत्री के साथ उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे, बेटे आदित्य ठाकरे तथा तेजस ठाकरे साथ थे। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से महाराष्ट्र की जनता को संबोधित किया था। उस समय उन्होंने कहा था कि जो लोग सूरत तथा गुवाहाटी जाकर उनपर आरोप लगा रहे हैं, वे आएं और उनसे चर्चा करें तथा उनका इस्तीफा लेकर राजभवन जाएं। उसी समय उन्होंने कहा था वे आज मातोश्री बंगला छोड़ देंगे। देर रात मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अपने परिवार सहित 9 बजकर 47 मिनट पर सरकारी आवास वर्षा बंगला छोड़ दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री का जगह-जगह स्वागत किया गया।

पीलीभीत में सड़क हादसा, 10 लोगों की मौत

-हरिद्धार से दर्शन कर गोला लौट रहे थे श्रद्धालु

पीलीभीत, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के जनपद पीलीभीत गजरौला थाना इलाके में गुरुवार तड़के बेकाबू डीसीएम पेड़ से टकराने के बाद हाईवे पर पलट गई। हादसे में 10 लोगों की मौत की हो गई, जबकि छह से सात लोग घायल हैं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाहन दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा शोक प्रकट किया है। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही साथ जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। सीओ सिटी के मुताबिक, यह हादसा गजरौला थाना क्षेत्र इलाके में सुबह करीब 4 बजे हुआ है। चालक को झपकी आने के बाद डीसीएम पेड़ से टकरा कर पलट गई। डीसीएम में कुल 17 लोग सवार थे। हादसे में आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ा। 7 लोग घायल हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। मृतकों की पहचान गोला निवासी संजीव की पत्नी लक्ष्मी (28), उनका बेटा हर्ष (16), बेटी खुशी (02),कृष्णपाल की पत्नी रचना (28), सरला देवी (60), सुशांत (14),आनंद (03),लालमन (65),श्यामसुंदर (55) और चालक दिलशाद (35) के रूप में हुई है। घायलों में शीलम शुक्ला (35),संजीव शुक्ला (35),प्रवीण (19), गोला,प्रशांत (17), कृष्णपाल शुक्ला, पूनम देवी (42),रिशु उर्फ यश त्रिवेदी (16) है। इन सभी का इलाज चल रहा है। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी पुलकित खरे, पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार पी. जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों को हालचाल लिया। जिलाधिकारी ने बताया कि हरिद्वार से गोला वापस आते समय गजरौला के पास यह दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ा है। बल्कि 07 लोग घायल हुए हैं।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक

अनिल सेठी

नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक

संपादन सहयोगी - मोहित शुक्ला

सदस्य एवं रिपोर्टर

•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
• अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
▪ पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092

संपर्क – 011-35631400

Customer Care No.

83750 00628

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹ 1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹ 60,000/-
FULL BACK PAGE	₹ 90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹ 66,000/-
HALF PAGE INNER	₹ 36,000/-
HALF PAGE BACK	₹ 51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹ 36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹ 21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹ 30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-

Visiting Card Size Advertisements:

Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-

Inner Page Rs.3000/-

DELHI CRIME 24 june 2022:Layout 1 6/23/2022 9:14 PM Page 8

बारिश में मस्ती करते दिखाई दिए इब्राहिम-अरहान

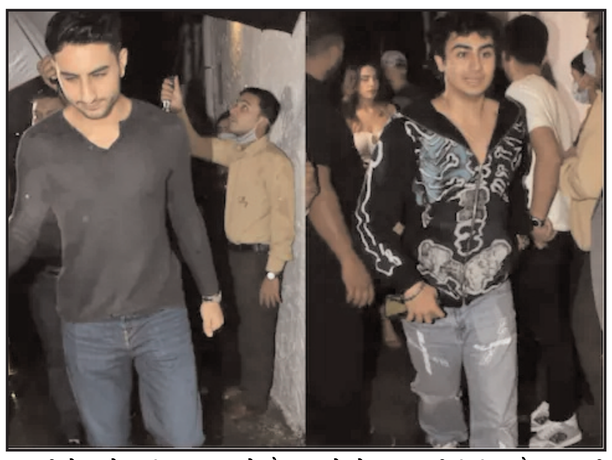

मुंबई (ईएमएस)। सैफ अली खान के बड़े बेटे इब्राहिम अली खान अपने लुक की वजह से हमेशा लाइम लाइट में रहते हैं। वह जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। हालांकि इस बीच इब्राहिम को बीती रात को मुबंई में एक पार्टी में मलाइका के बेटे अरहान खान के साथ मस्ती करते हुए देखा गया किया गया। जहां से एक वीडियो वायरल हो रहा है। सामने आए वीडियो में इब्राहिम-अरहान का लुक काफी इम्प्रेसिव लगा। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि मुबंई की बारिश के बीच ये दोनों ही स्टार्स किड्स लड़कियों के बीच पोज देते दिखाई दे रहे। बता दें कि अरहान इन दिनों यूएस में पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं इब्राहिम अपनी आने वाली डेब्यू फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की शूटिंग में बिजी हैं। इस समय इब्राहिम करण जौहर को उनकी आने वाली फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में उन्हें असिस्ट कर रहे हैं। आपको या दिला दें कि इब्राहिम इस फिल्म के जरिए बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर अपनी बॉलीवुड जर्नी शुरू कर रहे हैं। एक तरफ जहां इब्राहिम अपनी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिए काफी एक्साइडेट हैं, वहीं उनके पिता सैफ उनके फ्यूचर को लेकर काफी चिंचित हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में सैफ अली खान ने बेटे इब्राहिम अली खान के फ्यूचर को लेकर कहा था कि वह भी अन्य पिता की तरह अपने बेटे के भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं साथ ही वे इस बात के लिए प्रार्थना करते हैं कि उनके बेटे का भविष्य उज्जवल रहे।

दलीप ताहिल ने 31 साल की उम्र में निभाया था आमिर खान के पिता का रोल

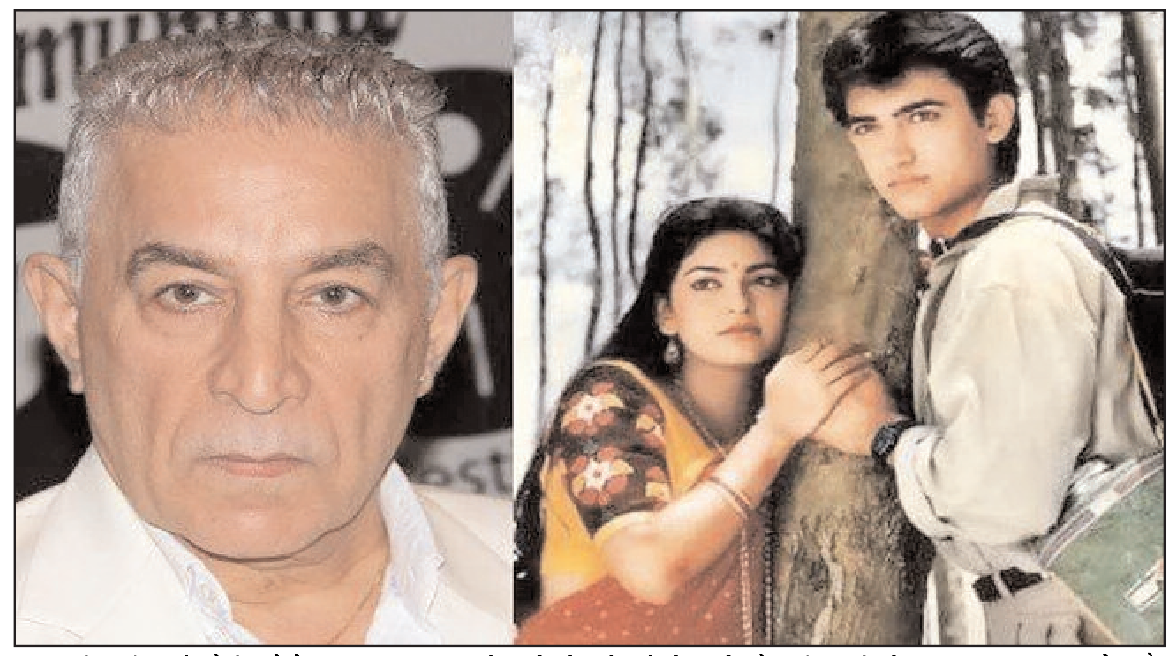

मुंबई (ईएमएस)। आमिर खान और जूही चावला अभिनीत कयामत से कयामत तक साल 1988 की सुपरहिट फिल्म थी। यह आमिर की सबसे ज्यादा देखी और पसंद की जाने वाली फिल्मों में से एक है. इस फिल्म को मंसूर खान ने डायरेक्ट किया था। आमिर ने फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्म में अभिनेता दलीप ताहिल ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह फिल्म में आमिर के पिता के रोल में थे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जब उन्होंने आमिर के पिता का किरदार निभाया तब वह सिर्फ 31 साल के थे। दलीप ताहिल ने इंटरव्यू में इसके बारे में बातकर बताया कि कैसे प्रोड्यूसर नासिर हुसैन ने फिल्म में आमिर के पिता की भूमिका निभाने के लिए कहा था। दलीप ने बताया कि उन्हें उनके टीवी शो बुनियाद के बाद कयामत से कयामत तक मिली। उन्होंने बताया कि नासिर हुसैन इस फिल्म के राइटर भी थे। दलीप ने जब उन्होंने नासिर से पूछा कि वह उन्हें कहां देखते हैं, तब लेखक-निमार्ता ने जवाब दिया कि उन्होंने बुनियाद में उनका परफॉर्मेंस देखा और उन्हें यकीन था कि वह इस भूमिका को निभाने में सक्षम होगा। दलीप ने कयामत से कयामत तक में पिता की अपनी भूमिका को पावरफुल और इमोनशल पिता के रूप में बताया। दिलीप ने खुलासा किया कि कई बड़े सितारों ने कयामत से कयामत तक को ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा था कि जब उन्होंने भूमिका निभाई थी तब वह सिर्फ 31 साल के थे, लेकिन उन्होंने फिल्म साइन करने से पहले अपनी उम्र के बारे में एक बार भी नहीं सोचा। उन्होंने कहा कि उस वक्त तक उनकी शादी भी नहीं हुई थी। दलीप ने आगे कहा कि शुरू में कयामत से कयामत तक में संजीव कुमार और शम्मी कपूर को अभिनय करना था। दलीप ने कहा कि इस समय नासिर हुसैन निर्देशन करने वाले थे। हालांकि, उन्हें दिल का दौरा पड़ा और उन्हें सलाह दी गई कि फिल्म निर्माण का दबाव खुद पर न लें। और इस तरह मंसूर खान ने निर्देशक की कुर्सी संभाली। लेकिन मंसूर खान ने संजीव कुमार और शम्मी कपूर जैसे दिग्गजों के साथ काम करने से साफ इनकार कर दिया, जिन्हें नासिर हुसैन कास्ट करना चाहते थे।

प्रियंका और निक ने मनाया अपना पहला फादर्स डे

-दिखाई बेटी मालती की झलक, लिखा प्यारा नोट

मुंबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास ने अपना पहला फादर्स डे मनाया। बेबी मालती मदर्स डे के मौके पर प्रियंका के घर पर आई थी। इससे पहले वह कुछ महीनों के लिए एनआईसीयू में थी। बेबी के वेलकम में प्रियंका ने इमनोशनल कर देने वाला लंबा नोट लिखा था। प्रियंका और निक ने इस साल की शुरूआत में अपनी बेटी मालती मैरी का सरोगेसी के जरिए वेलकम किया था। अब, फादर्स डे के मौके पर, प्रियंका और निक ने अपनी छोटी बच्ची के साथ तस्वीर साझा कीं। यह तस्वीर बहुत ही प्यारी है। प्रियंका चोपड़ा ने इस तस्वीर में भी बेटी का चेहरा नहीं दिखाया है। निक को अपने 6 महीने के बेटी को खड़ा करने का प्रयास करते हुए देखा जा सकता है। मालती रेड कलर के क्यूट आउटफिट में नजर आईं। इसमें निक के सिर्फ पैर दिख रहे हैं। पिता-पुत्री की जोड़ी ने मैचिंग सफेद जूते पहने थे, जिस पर उनके नाम के पहले अक्षर लिखे हुए थे। प्रियंका चोपड़ा जोनास ने इस क्यूट तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, हैप्पी फर्स्ट फादर्स डे माय लव। आपको अपनी लिटिल गर्ल के साथ देखना मेरी सबसे बड़ी खुशी है। घर वापस आने के लिए कितना शानदार दिन है आई लव यू। ऐसे और भी दिन आने बाकी है। निक जोनास ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यही तस्वीर शेयर की है। निक जोनास ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, मेरी लिटिल गर्ल के साथ फर्स्ट फादर्स डे। अतुलनीय फादर डॉटर स्नीकर्स देने और मुझे डैडी बनाने के लिए प्रियंका चोपड़ा को धन्यवाद, मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं। सभी डैड्स और केयरटेकर्स को हैप्पी फादर्स डे। निक ने इस तस्वीर का क्रेडिट फोटोग्राफर दिव्या ज्योति को दिया है। प्रियंका ने खुलासा किया कि उन्होंने अमेजन प्राइम वीडियो सीरीज की शूटिंग पूरी कर ली है।

चकड़ा एक्सप्रेस की शूटिंग के लिए यूके जाएंगी अनुष्का शर्मा

अनुष्का शर्मा लगभग साढ़े तीन साल बाद 'चकड़ा एक्सप्रेस' से बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी। एक्ट्रेस इस फिल्म के लिए काफी मेहनत कर रही हैं। बायोपिक में अनुष्का इंडियन क्रिकेटर झूलन गोस्वामी का रोल प्ले करती नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की टीम अगले महीने शूटिंग के लिए यूके जाएगी। अनुष्का ने फिल्म की शूटिंग के लिए फरवरी से ही तैयारी शुरू कर दी थी। एक्ट्रेस फिलहाल मुंबई में एक शूट शेड्यूल पूरा कर रही हैं। अनुष्का ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया था, "इस तरह की फिल्म के लिए सभी डिपार्टमेंट्स में अच्छी तैयारी की जरूरत होती है। यह एक शानदार स्क्रिप्ट है, जो ऑडियंस पर अपना गहरा प्रभाव डालेगी। मुंबई के बाद अब हम फिल्म की शूटिंग के लिए अगले महीने यूके जाएंगे।"

राखी विजन ने अकटलों को कर दिया खारिज

-तारक मेहता में 'दयाबेन' का रोल करने को लेकर चल रही थी अफवाहें

मुंबई (ईएमएस)। तारक मेहता का उल्टा चश्मा में 'दयाबेन' का रोल करने को लेकर चल रही अटकलों का टीवी अभिनेत्री राखी विजन ने विराम लगा दिया है। अटकलों में कहा जा रहा था कि वह जल्द ही तारक मेहता का उल्टा चश्मा में दयाबेन का रोल प्ले करने वाली हैं। बता दें कि टीवी की दुनिया में सालों से तारक मेहता का उल्टा चश्मा का जलवा कायम है। आजकल यह शो दिशा वकानी यानी दयाबेन की वापसी को लेकर सुर्खियों में छाया हुआ है। लंबे वक्त से कहा जा रहा है कि दिशा वकानी शो में वापसी कर रही हैं। हालांकि इसके इतर शो को लेकर ये भी अटकलें लगाई गईं कि दयाबेन का रोल दिशा वकानी नहीं बल्कि राखी विजन निभाएंगी। वह जल्द ही शो में एंट्री करने वाली हैं। अब इन अटकलों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए राखी विजन ने बताया है कि वह शो का हिस्सा नहीं बनने वाली हैं। राखी विजन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इन खबरों का खंडन किया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक न्यूज का स्क्रीनशॉट साझा किया है, जिसमें लिखा था, राखी विजन तारक मेहता के शो की नई दयाबेन। इस खबर को अफवाह बताते हुए राखी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। राखी विजन ने खबरों को अफवाह बताते हुए अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, सभी को हैलो, यह खबर अफवाह है, जिससे मैं हैरान हूं। मुझे चैनल या निमार्ताओं की ओर से अप्रोच नहीं किया गया है। वहीं राखी ने कहा, मीडिया के लोग मुझे फोन कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि यह अफवाह कहां ये आई। मुझे लगा कि यह अफवाह खत्म हो जाएगी लेकिन यह बढ़ती रही। हालांकि जब उनसे बातचीत में पूछा गया कि अगर भविष्य में उन्हें इस भूमिका के लिए अप्रोच किया जाता है तो क्या वह दयाबेन की भूमिका निभाएगी? इस पर राखी ने कहा, मैं कॉमेडी में खुद को फीट आती हूं यह मुझे स्वाभाविक रूप से आती है, फिर भी में यह निश्चित रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। बरहाल इसे करना इनता मुश्किल भी नहीं होगा। यूं तो फैंस ने राखी को सफाई के लिए धन्यवाद दिया। लेकिन फैंस का ये भी कहना है कि अगर दिशा दयाबेन की भूमिका निभाती तो उन्हें भी दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिलता क्योंकि वह इस रोल के लिए परफेक्ट हैं।

सलमान खान की फिल्म में साउथ सुपरस्टार राम चरण की एंट्री

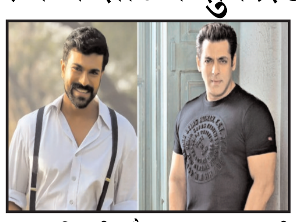

सलमान खान की फिल्म कभी ईद कभी दिवाली लगातार खबरों में बनीं हुई है। फिल्म अपनी शूटिंग से ही चर्चा में है। कभी इस फिल्म का टाइटल चेंज होने की खबरें आती हैं तो कभी कास्ट में बदलाव की। अब हाल ही में रिपोर्ट्स आई हैं कि फिल्म में राम चरण एक कैमियो रोल में दिखाई देंगें। इस फिल्म में पूजा हेगड़े, शहनाज गिल, वेंकटेश, जस्सी गिल, पलक तिवारी और राघव जुयाल भी नजर आएंगे। वहीं फिल्म को फरहाद सम्जी डायरेक्ट कर रहे हैं। सलमान खान इन दिनों हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। यहां पर उनका 25 दिनों का शेड्यूल है वो यहां पर अपनी फिल्म के एक ग्रैंड सॉन्ग की भी शूटिंग करेंगे। इसी सॉन्ग में राम चरण भी कैमियो में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार सलमान ने राम चरण से हैदराबाद में मुलाकात की और यहीं उन्होंने राम चरण को कैमियो का ऑफर किया। ऑफर सुनते ही साउथ सुपरस्टार ने भी तुरंत हां कर दी।

आर माधवन बोले- शाहरुख खान ने एक रुपए की फीस नहीं ली

आर माधवन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म रॉकेट्री द नांबी इफेक्ट के प्रमोशन में बिजी हैं। यह फिल्म 1 जुलाई रिलीज होगी। इसमें माधवन के अलावा बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान और सूर्या नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म प्रमोशन के दौरान उन्होंने फिल्म को लेकर खुलासा किया। उन्होंने बताया कि शाहरुख इस फिल्म का हिस्सा कैसे बनें और फिल्म में रोल के लिए एक रुपए की फीस भी नहीं ली। आर माधवन ने कहा- मुझे याद हैं मैं शाहरुख खान के साथ जीरो फिल्म में काम कर रहा था। उन्होंने अपनी बर्थडे पार्टी के दौरान मुझसे रॉकेट्री के प्रोडक्शन के बारे में पूछा और फिल्म का हिस्सा बनने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा कि यार बैकग्राउंड में भी कोई रोल चलेगा। मैं बस इसका हिस्सा होना चाहता हूं। मुझे लगा कि शाहरुख मजाक कर रहे हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद मेरी पत्नी सरिता ने कहा कि आपको उनको थैंक्यू कहना चाहिए। मैंने उनकी मैनेजर को एक मैसेज किया और कहा कि आप शाहरुख को मेरी तरफ से धन्यवाद दीजिएगा। इसके तुरंत बाद उनकी मैनेजर का मैसेज आया, जिसमें लिखा था कि शाहरुख डेट्स पूछ रहे हैं। इस तरह वह फिल्म का हिस्सा बनें।

सलमान खान ने एक्सेप्ट किया ग्रीन इंडिया चैलेंज, लगाए पौधे

बॉलीवुड के 'भाईजान' इन दिनों हैदराबाद में अपनी आगामी फिल्म कभी ईद कभी दिवाली की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच उन्होंने शूटिंग से कुछ समय निकालकर ग्रीन इंडिया चैलेंज में हिस्सा लिया और रामोजी फिल्म सिटी में पौधारोपण किया। इसकी जानकारी सलमान खान ने सोशल मीडिया के जरिये फैंस को दी है और इसके साथ ही उन्होंने अपने फैंस से भी पौधा लगाने और पर्यावरण बचाने की अपील की है। सलमान खान ने ट्वीट कर फैंस से कहा है कि ग्रीन इंडिया चैलेंज में हिस्सा लीजिये ताकि ग्लोबल वार्मिंग को कंट्रोल किया जा सके। सलमान का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो फिल्म ईद कभी दिवाली के अलावा सलमान खान जल्द ही फिल्म टाइगर 3 में नजर आयेंगे। इस फिल्म में उनके साथ एक बार फिर से कैटरीना कैफ स्क्रीन शेयर करती नजर आयेंगी। इसके अलावा सलमान खान जल्द ही आमिर खान की 'लाल सिंह चड्ढा' और शाहरुख खान की 'पठान' में कैमियो रोल में भी नजर आयेंगे ।

रक्षाबंधन का ट्रेलर रिलीज, बहनों के लिए भाई अक्षय कुमार का प्यार और त्याग देख भावुक हुए फैंस

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार की इस समय कई फिल्में एक साथ रिलीज होने के लिए तैयार हैं। इनमें सबमें से एक खास फिल्म है रक्षाबंधन, जो इस साल 11 अगस्त को रक्षाबंधन के त्यौहार पर रिलीज होने जा रही है। इसी कड़ी में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है, जिसकी काफी तारीफ हो रही है। ट्रेलर देखकर अंदाजा हो रहा है कि फिल्म काफी शानदार होने वाली है। फिल्म रक्षाबंधन भाई और बहनों के पवित्र रिश्ते पर आधारित है। ट्रेलर देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में फैमिली, प्यार, रोमांस और कॉमेडी का भरपूर तड़का लगाया गया है। ट्रेलर में अक्षय कुमार के साथ उनकी 4 बहनें नजर आ रहीं हैं और फिल्म की पूरी कहानी उनके इर्द गिर्द ही घूमती है। अक्षय कुमार उनकी शादी को लेकर परेशान हैं और काफी मुसीबतों का सामना करते हैं। बहनों के प्यार और उनकी शादी की चिंता में वह अपने प्यार को भी कुर्बान करने को तैयार हैं। भाई-बहन के रिश्ते पर आधारित फिल्म रक्षाबंधन में अक्षय और भूमि के अलावा सहजमीन कौर, दीपिका खन्ना, सादिया खातीब और स्मृति श्रीकांत भी अहम भूमिका में होगी। ये चारों फिल्म में अक्षय की बहन के किरदार में नजर आयेंगी। फिल्म 'रक्षाबंधन' को अक्षय कुमार की बहन अलका हीरानंदानी फिल्ममेकर आनंद एल रॉय संग मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। लेखक हिमांशु शर्मा और निर्देशक आनंद एल रॉय हैं। यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

नीतू कपूर बोलीं-कियारा बेस्ट वाइफ बनेंगी

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के रिलेशनशिप की अफवाहों के बीच नीतू कपूर ने हाल ही में रिएक्ट किया है। नीतू ने कियारा की तारीफ करते हुए कहा कि वो बेस्ट वाइफ बनेंगी। एक नए इंटरव्यू में नीतू ने शादी पर बात की, कैसे दो लोग एक जैसे नहीं होते हैं और सबके साथ अपने हिस्से की दिक्कतें होती हैं। नीतू ने शादी के बारे में बात करते हुए कहा, "एक शादी के रिश्ते में आपको पेशेंस की जरूरत होती है। दो लोग एक जैसे नहीं हो सकते, सबकी अपनी प्रॉब्लम्स होती हैं। आप हैप्पी मैरिड लाइफ हमेशा नहीं जी सकते, शादी में कुछ एडजस्टमेंट्स और सैक्रिफाइस होते हैं। जिससे की आप अपने रिश्ते को बेस्ट बना सकते हैं। आज कल लोग जल्दी हार मान लेते हैं और फिर ब्रेक अप या डाइवोर्स जैसे डिसिजन ले लेते हैं। लेकिन आपको थोड़ा पेशेंस रखना चाहिए और समझना चाहिए कि एक रिश्ते में चीजे होती हैं।"

सूडोकु नवताल- 6111

★★★✯☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6110 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 6858

प्र	अ	मे	क	ना	ग	री	क	र	ण	गो
न	का	क	अ	इं	डो	ने	ग	श	मा	ला
अ	दा	र	भि	मा	ग	अ	द	ह	प	का
श्रे	ग	प्र	क	र	ण	नु	धि	री	लि	र
णी	अ	अ	र	न	न	क	ह	क	न	दे
क	ना	का	ण	व	प	र	त	र	र	बां
र	मा	ल	म	श	अ	ण	वा	ण	न	ण
ण	न	भा	र	न	मी	स	ष्पी	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	लं	का	क	क	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र	का	प	श
वि	द्यु	ती	क	र	ण	स	ण	ण	र	र

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'करण' लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

नागरीकरण, श्रेणीकरण, प्रकरण, अभिकरण, शमीकरण, वाष्पीकरण, अधिकरण, अनुकरण, शहरीकरण, विद्युतीकरण

शब्दजाल - 6857 का हल

म	अ	मु	क्रि	मी	न	ल	ज	ग	ल	य
रा	वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़
चु	म	न	बा	दी	छ	मि	आ	ब	सौ	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	से	ल	ल	दा	क
डि	आ	यु	ल	य	चा	न	क्रो	न	ग	च
या	ल	ग	र	रा	ल	ली	ती	ण	र	र
द	सिं	पु	ग	ट्रे	न	गा	स	बा	व	दु
क	ह	रु	ई	द	ब	क	र	चो	श	हिं
रा	म	ष	ला	रा	म	स	या	औ	र	दु
बो	गॉ	ल	प	लि	खा	मो	शी	म	प	स्ता
बे	ड	क	र्क	या	क	र्त	य	दु	श्म	नी

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5811

	6	5	4	3		1
2	39		29		26	
		7	1	2		4
4	30		25		34	
	2	3		5	6	
6	30		39		35	3
	5		6	7		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5810 का हल

5	7	2	4	1	6	3
2	35	1	26	6	28	6
7	6	5	4	3	2	1
4	32	4	32	4	32	4
1	2	3	4	5	6	7
6	35	7	35	7	38	2
3	7	6	1	2	4	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000628, For News & Advertisement- 8588881461, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in